website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 228 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 27 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

PM मोदी मालदीव दौरा समाप्त कर तमिलनाडु के लिए भरी उड़ान

- राष्ट्रपति मुइज्ज़ू के साथ बातचीत को बताया सार्थक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मालदीव की अपनी दो दिवसीय यात्रा समाप्त करने के बाद तमिलनाडु के तूतिकोरिन के लिए उड़ान भरी। दौरे के दौरान वे द्वीप राष्ट्र मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर (मुख्य अतिथि) के रूप में भी शामिल हुए। उन्होंने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद के साथ माले के रिपब्लिक स्क्वायर में आयोजित विशेष परेड और मार्च को देखा, जिसे मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "इस सफल दौरे की समाप्ति पर मैं राष्ट्रपति मुइज्ज़ू, मालदीव सरकार और वहां की जनता को उनके आत्मीय स्वागत के लिए धन्यवाद देता हूं। मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होना मेरे लिए गर्व की बात रही। राष्ट्रपति मुइज्ज़ू के साथ हुई सकारात्मक और सार्थक बातचीत हमारे द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा देगी।"

दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (ITEC) कार्यक्रम से लाभान्वित मालदीव के प्रतिभागियों से भी बातचीत की, जिन्होंने वर्षों से भारत में विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण और क्षमतावर्धन कार्यक्रमों में भाग लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "प्रधानमंत्री ने मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ पर बधाई दी और बताया कि क्षमता निर्माण, भारत-मालदीव संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ है।"

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने माले में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से भी मुलाकात की और उन्हें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। दोनों पक्षों ने भारत और मालदीव के बीच मजबूत रिश्ते को और आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। मालदीव के नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को विकासात्मक सहायता और मालदीव की जनता के कल्याण के लिए भारत के निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

आज शाम प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के तूतिकोरिन में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में ₹4,800 करोड़ से अधिक की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

संसद में बिहार एसआईआर पर घमासान: सरकार की चुप्पी से ठप रहा मानसून सत्र का पहला हफ़्ता

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र इस बार बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) अभियान को लेकर विपक्ष और सरकार के बीच तीखे टकराव की भेंट चढ़ गया। शुक्रवार को मानसून सत्र का पहला सप्ताह बिना किसी विधायी कार्य के समाप्त हो गया। विपक्ष लगातार एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार ने अब तक इस पर कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया है।

सरकार ने विपक्ष की मांग पर पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मसलों पर लोकसभा और राज्यसभा में क्रमशः 28 और 29 जुलाई को 16-16 घंटे की चर्चा कराने की सहमति दी है। हालांकि, एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर सरकार ने अब तक कोई वादा नहीं किया, जिससे विपक्ष का असंतोष और प्रदर्शन बढ़ता जा रहा है।

संसद में प्रतीकात्मक विरोध

शुक्रवार को विपक्षी दलों के INDIA गठबंधन ने चौथे दिन भी एसआईआर के विरोध में संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। सांसदों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लिए हुए गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च किया। इस दौरान राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने "एसआईआर" लिखे कागज को फाड़कर कूड़ेदान में फेंक दिया, जिसे प्रतीकात्मक विरोध के रूप में देखा गया।

सदन में गतिरोध और सरकार की रणनीति

लोकसभा और राज्यसभा दोनों में सरकार की ओर से यह कहा गया कि वह सभी चर्चाओं के लिए तैयार है, लेकिन एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कार्य मंत्रणा समिति (BAC) की बैठक में कहा कि पहले से तय मुद्दों पर चर्चा होगी, उसके बाद अन्य विषयों पर निर्णय लिया जाएगा।

रिजिजू ने साफ किया कि "हर चर्चा एक ही समय पर नहीं हो सकती, चर्चाएं नियमों के तहत होती हैं।" उन्होंने विपक्ष से सहयोग की अपील की लेकिन एसआईआर पर चर्चा की संभावना को टाल गए।

विपक्ष की नाराज़गी

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने पत्रकारों से कहा, "हम जानते थे कि इस हफ़्ते पहलगाम हमले पर चर्चा नहीं हो सकती क्योंकि प्रधानमंत्री विदेश में थे। तब से हमारी केवल एक ही मांग रही है – बिहार एसआईआर पर चर्चा। लेकिन बैठक के बाद भी सरकार इस पर कुछ स्पष्ट नहीं कह रही।"

विपक्ष का तर्क है कि चुनाव आयोग की निगरानी में हो रहे बिहार एसआईआर की पारदर्शिता और कानूनी वैधता पर सवाल उठ रहे हैं, इसलिए संसद में इस पर विस्तृत बहस जरूरी है।

सत्ता पक्ष का तर्क

सरकार की ओर से बीजेपी सांसद जगदम्बिका पाल ने लोकसभा में विपक्ष से पूछा, "इस व्यवधान से किसे लाभ हो रहा है?" उन्होंने सदस्यों से आग्रह किया कि वे संसद की कार्यवाही को बाधित न करें और आत्मचिंतन करें कि उनके निर्वाचन क्षेत्र की जनता उनसे क्या अपेक्षा रखती है।

उन्होंने कहा, "जब सरकार कह रही है कि वह चर्चाओं के लिए तैयार है, तो फिर संसद में हंगामा क्यों?"

इसके बाद केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन एसआईआर को लेकर कोई समय निर्धारित नहीं किया गया। अंततः लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा में भी गूंजा विरोध

राज्यसभा में भी सुबह बिहार एसआईआर और बंगाल से आए प्रवासी मज़दूरों के साथ भेदभाव के मुद्दों पर चर्चा की मांग हुई, लेकिन सभापति ने इन मांगों को खारिज कर दिया। दोपहर को सदन शुरू होते ही प्रश्नकाल मात्र चार मिनट चला और फिर कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

बिहार एसआईआर को लेकर विपक्ष का विरोध और सरकार की चुप्पी ने संसद के मानसून सत्र की दिशा को ही मोड़ दिया है। जहां सरकार सुरक्षा और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर चर्चा को प्राथमिकता दे रही है, वहीं विपक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया और पारदर्शिता के सवालों पर बहस चाहता है। यदि गतिरोध जल्द समाप्त नहीं हुआ, तो मानसून सत्र पूरी तरह राजनीतिक रस्साकशी की भेंट चढ़ सकता है।

द्रास में केंद्रीय मंत्री मांडविया, थलसेना प्रमुख सहित कई नेताओं ने करगिल शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख के द्रास में आज शनिवार को करगिल विजय दिवस के मौके पर 1999 के करगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। इस वर्ष करगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने युद्ध में शहीद हुए जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उनके साथ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने पुष्पचक्र अर्पण कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

समारोह के दौरान एक भावुक क्षण तब देखने को मिला जब तीन हेलीकॉप्टरों ने आसमान से पुष्पवर्षा कर वहां मौजूद लोगों को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। इससे पहले आज सुबह केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "करगिल विजय दिवस पर हम अपने वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने मां भारती की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया। यह दिन हमारी सेना के अदम्य साहस और पराक्रम का प्रतीक है।"

गौरतलब है कि 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की घोषणा की थी, जिसके साथ करगिल युद्ध का अंत हुआ था। यह युद्ध लगभग तीन महीने तक चला था। इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री द्वारा एक 'पदयात्रा' का भी आयोजन किया गया, जिसमें 1,000 से अधिक युवा स्वयंसेवक, सेना के जवान, शहीदों के परिवारजन, पूर्व सैनिक और आम नागरिकों ने भाग लिया। यह 1.5 किलोमीटर लंबी यात्रा सुबह 7 बजे हिमाबस पब्लिक हाई स्कूल, द्रास से शुरू हुई और सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भीमबेट पर जाकर समाप्त हुई।

समारोह में युद्ध के पूर्व सैनिक, शहीदों के परिजन और कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए। इसी दिन 'इंडस व्यूपॉइंट' नामक एक विशेष परियोजना का उद्घाटन भी किया गया, जो बटालिक सेक्टर में एलओसी तक पर्यटकों को ले जाने की सुविधा देगा। यह परियोजना आम लोगों को यह समझने में मदद करेगी कि किस प्रकार विषम परिस्थितियों और खतरों के बीच हमारे सैनिक देश की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

बटालिक, जो समुद्र तल से 10,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, करगिल युद्ध के दौरान एक महत्वपूर्ण केंद्र था क्योंकि यह करगिल, लेह और बल्तिस्तान के बीच रणनीतिक स्थान पर स्थित है। आज यह छोटा सा गांव, जो सिंधु नदी की घाटी में स्थित है, एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन चुका है।

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर दूसरे दौर की वार्ता संपन्न

-बातचीत का तीसरा दौर सितंबर में होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए दूसरे दौर की वार्ता राष्ट्रीय राजधानी में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाया गया। बातचीत का तीसरा दौर सितंबर में न्यूज़ीलैंड में होगा। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, दूसरे दौर में मिली गति को बनाए रखने के लिए वर्चुअल बैठकें भी जारी रहेंगी।

मई में नई दिल्ली में आयोजित पहले दौर के दौरान उत्पन्न गति को जारी रखते हुए, दूसरे दौर की वार्ता 14-25 जुलाई तक आयोजित की गई। इस दौर में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अच्छी प्रगति हुई, जिनमें सामानों और सेवाओं का व्यापार, निवेश, मूल-देश के नियम, कस्टम प्रक्रियाएं, व्यापार को आसान बनाना, तकनीकी बाधाएं, स्वच्छता और पादप-स्वच्छता उपाय, और आर्थिक सहयोग शामिल हैं।

चर्चाओं में कई विषयों पर जल्द सहमति बनाने में पारस्परिक रुचि दिखाई गई। दोनों पक्षों ने एक संतुलित, व्यापक और दूरदर्शी समझौते पर पहुंचने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

यह प्रगति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच मार्च में हुई बैठक में आर्थिक संबंधों को गहरा करने की सहमति का नतीजा है।

वित्त वर्ष 2024-25 में न्यूज़ीलैंड के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापारिक व्यापार 1.3 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 48.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह आर्थिक साझेदारी की बढ़ती संभावनाओं का संकेत है।

मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से व्यापार प्रवाह में वृद्धि, निवेश संबंधों को समर्थन, आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन को बढ़ाने और दोनों देशों में व्यवसायों के लिए एक पूर्वानुमानित और सक्षम वातावरण स्थापित होने की उम्मीद है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूज़ीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के बीच 16 मार्च को हुई बैठक के दौरान एफटीए का शुभारंभ किया गया। मई में नई दिल्ली में आयोजित पहले दौर की वार्ता के दौरान उत्पन्न गति को जारी रखते हुए, दूसरे दौर की वार्ता 14-25 जुलाई तक आयोजित की गई।

CETA समझौते से भारत के समुद्री उत्पादों के निर्यात में आएगी 70 फीसदी तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ब्रिटेन के बीच 24 जुलाई को हुए व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (CETA) के तहत भारत के समुद्री उत्पाद (सीफूड) निर्यात में 70% तक की बढ़ोतरी की संभावना है। यह ऐतिहासिक समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। यह समझौता भारतीय समुद्री उद्योग के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

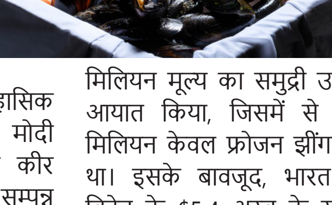

CETA के तहत 99% टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क (Zero Duty) की सुविधा दी गई है, जिससे भारतीय समुद्री उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में अन्य देशों जैसे वियतनाम और सिंगापुर के समान प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति मिलेगी। अब तक जिन उत्पादों पर 0% से 21.5% तक शुल्क लगता था, वे अब ड्यूटी फ्री हो जाएंगे। इनमें मुख्य रूप से वन्नामी झींगा फ्रोजन स्क्विड, लॉबस्टर, फ्रोजन पम्फ्रेट और ब्लैक टाइगर झींगा शामिल हैं। इसके अलावा मछली, क्रसटेशियन, मोलस्क, मछली के तेल, समुद्री वसा, संरक्षित सीफूड, फिश मील और मछली पकड़ने के उपकरण भी इस कर छूट में शामिल हैं। हालांकि, 'HS Code 1601' के अंतर्गत आने वाले सॉसेज जैसे उत्पादों को इस छूट से बाहर रखा गया है।

वर्ष 2024–25 में भारत का कुल समुद्री उत्पाद निर्यात $7.38 अरब (₹60,523 करोड़) रहा, जिसमें से केवल फ्रोजन झींगा से $4.88 अरब (लगभग 66%) की कमाई हुई। ब्रिटेन ने भारत से $104 मिलियन मूल्य का समुद्री उत्पाद आयात किया, जिसमें से $80 मिलियन केवल फ्रोजन झींगा का था। इसके बावजूद, भारत की ब्रिटेन के $5.4 अरब के समुद्री आयात बाजार में हिस्सेदारी मात्र 2.25% है। CETA के तहत अब भारत को यह अवसर मिलेगा कि वह इस बाजार में अपनी हिस्सेदारी को तेजी से बढ़ा सके।

भारत का मत्स्य क्षेत्र 2 करोड़ 80 लाख लोगों को आजीविका देता है और वैश्विक मछली उत्पादन में 8% का योगदान करता है। 2014-15 से 2024–25 के बीच भारत के समुद्री उत्पाद निर्यात में मात्रा के हिसाब से 60% और मूल्य के हिसाब से 88% की वृद्धि हुई है। अब भारत 130 देशों को समुद्री उत्पाद निर्यात करता है, जबकि पहले यह आंकड़ा 100 था। मूल्य संवर्धित उत्पादों का निर्यात भी तीन गुना बढ़कर ₹7,666.38 करोड़ तक पहुंच गया है।

आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात जैसे तटीय राज्य इस समझौते का सर्वाधिक लाभ उठा सकते हैं, बशर्ते वे ब्रिटेन के सख्त सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी (स्वच्छता और पौध-स्वास्थ्य) मानकों का पालन करें। इस समझौते से न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि रोजगार, बुनियादी ढांचे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को बड़ी सफलता

देशभर में अब तक 10.18 करोड़ महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर जांच पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।देश में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने जानकारी दी है कि अब तक 30 वर्ष या उससे अधिक उम्र की 10.18 करोड़ महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर के लिए जांच पूरी की जा चुकी है। यह काम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (AAMs) के माध्यम से किया गया है। यह पहल गैर-संचारी रोगों (NCDs) की समय पर पहचान, रोकथाम और प्रबंधन के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

यह जांच 30 से 65 वर्ष की महिलाओं को लक्षित करती है, जिसमें मुख्य रूप से "विजुअल इंस्पेक्शन विथ एसीटिक एसिड" (VIA) तकनीक का उपयोग किया जाता है। यह जांच प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सब-हेल्थ सेंटर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में की जाती है। VIA पॉजिटिव पाए गए मामलों को आगे की जांच के लिए उच्च केंद्रों पर भेजा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता इस कार्यक्रम की रीढ़ हैं। वे 'कम्युनिटी बेस्ड असेसमेंट चेकलिस्ट' (CBAC) का उपयोग कर जोखिम वाले लोगों की पहचान करती हैं और उन्हें नियमित जांच के लिए प्रेरित करती हैं। इसके साथ ही वे महिलाओं को समय पर जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक भी करती हैं।

स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संचार अभियानों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है, जैसे कि राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस और विश्व कैंसर दिवस। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को लगातार जानकारी दी जाती है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके कार्यक्रम क्रियान्वयन योजनाओं (PIPs) के अनुसार जागरूकता गतिविधियों के लिए NHM के अंतर्गत विशेष फंड भी प्रदान किए जाते हैं।

मंत्रालय ने 20 फरवरी से 31 मार्च 2025 तक एक समयबद्ध एनसीडी जांच अभियान भी चलाया था, जिससे स्क्रीनिंग की गति तेज हुई और इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान मिला। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार 20 जुलाई 2025 तक देश की कुल 25.42 करोड़ पात्र महिलाओं में से 10.18 करोड़ महिलाओं की जांच हो चुकी है। यह आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से सरकार की व्यापक और रोकथाम आधारित स्वास्थ्य सेवा के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह जानकारी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

जर्जर स्कूलों की मरम्मत को विधायक-सांसद फंड से दें पैसा - डोटासरा

जयपुर। झालावाड़ जिले के स्कूल में कमरे की छत गिरने से सात मासूम बच्चों की मौत के बाद प्रदेश में गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त है। इस हृदयविदारक हादसे पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस दर्दनाक घटना को राजनीतिक बहस का मुद्दा बनाने के बजाय सभी जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदारी निभानी चाहिए। डोटासरा ने कहा, "अब वक्त है कि हम सब मिलकर जवाबदेही तय करें। हर सांसद और विधायक को अपने क्षेत्र के जर्जर स्कूलों और सरकारी भवनों की मरम्मत के लिए अपने फंड से सहयोग करना चाहिए।" उन्होंने सीकर जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के जर्जर स्कूल, आंगनबाड़ी और अन्य सरकारी भवनों की मरम्मत के लिए विधायक निधि से आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही, उन्होंने अन्य जनप्रतिनिधियों से भी अपने क्षेत्र में इसी तरह से सक्रिय होने का आह्वान किया है। हालांकि,

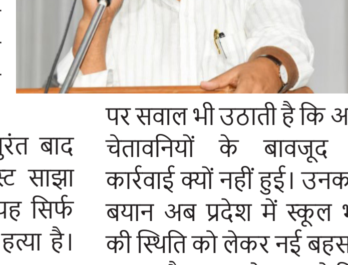

डोटासरा ने घटना के तुरंत बाद 25 जुलाई को एक पोस्ट साझा करते हुए कहा था कि यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि हत्या है। उन्होंने लिखा था, "यह भाजपा सरकार के ढहते सिस्टम और आपराधिक लापरवाही का नतीजा है। बार-बार चेतावनी के बावजूद जर्जर स्कूल भवनों की अनदेखी क्यों होती रही?" डोटासरा की यह पहल जहां ज़िम्मेदारी निभाने की ओर संकेत करती है, वहीं सरकार पर सवाल भी उठाती है कि आखिर चेतावनियों के बावजूद ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उनका यह बयान अब प्रदेश में स्कूल भवनों की स्थिति को लेकर नई बहस छेड़ सकता है। घटना के बाद से विपक्षी दल सरकार पर लापरवाही के आरोप लगा रहे हैं, जबकि सरकार ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। मगर फिलहाल ज़रूरत इस बात की है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सभी स्तरों पर तत्काल ठोस कदम उठाए जाएं।

जयपुर से अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट आखिरी वक्त पर रद्द, यात्रियों को भारी परेशानी

जयपुर। शनिवार सुबह जयपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों को उस वक्त परेशानी का सामना करना पड़ा जब स्पाइसजेट की अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट SG-1081 को आखिरी समय में रद्द कर दिया गया। फ्लाइट सुबह 9:30 बजे रवाना होनी थी, लेकिन एयरलाइन ने ऑपरेशनल कारणों का हवाला देते हुए उड़ान को निरस्त कर दिया। यात्रियों का कहना है कि वे सुबह 8 बजे से ही एयरपोर्ट पर मौजूद थे, लेकिन उन्हें फ्लाइट कैंसिल होने की जानकारी देरी से मिली, जिससे काफी असुविधा हुई। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, स्पाइसजेट के पास उस समय आवश्यक एयरक्राफ्ट नहीं था, इसलिए उड़ान रद्द करनी पड़ी।

वहीं, दिल्ली में खराब मौसम के कारण मुंबई-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट को जयपुर डायवर्ट किया गया, जिससे एयरपोर्ट पर अतिरिक्त लोड बढ़ गया और संचालन भी प्रभावित हुआ। फिलहाल, एयरपोर्ट अथॉरिटी यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था देने की कोशिश में जुटी है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत की सेना: अब सिर्फ़ जीत नहीं, दुश्मनों पर मनोवैज्ञानिक बढ़त की प्रतीक

भारतीय सेना आज केवल रणभूमि में दुश्मनों को शिकस्त देने वाली ताक़त नहीं है, बल्कि वह एक ऐसी रणनीतिक संस्था बन चुकी है जो अपने विरोधियों पर मनोवैज्ञानिक रूप से भी भारी पड़ती है। युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं लड़े जाते, असली विजय तब मानी जाती है जब दुश्मन बिना लड़े ही घुटने टेकने को मजबूर हो जाए — और भारतीय सेना ने इसी दिशा में एक सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से भारतीय सेना ने सीमाओं पर अपनी रणनीति, संयम और साहस का परिचय दिया है, उसने पाकिस्तान, चीन जैसे देशों के सैन्य नेतृत्व की सोच को चुनौती दी है। चाहे वो बालाकोट एयर स्ट्राइक हो या गलवान घाटी में हमारी जवाबी कार्रवाई — भारतीय सेना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब भारत सिर्फ़ प्रतिक्रियावादी नहीं रहा, बल्कि निर्णायक और सक्रिय सैन्य सोच वाला देश बन चुका है। मनोरचना की इस ताक़त का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि सीमावर्ती इलाकों में अब पहले जैसा दुस्साहस करना दुश्मनों के लिए आसान नहीं रहा। पाकिस्तान को हर बार संघर्षविराम का उल्लंघन करने से पहले अब यह सोचना पड़ता है कि जवाब कितना भारी होगा। वहीं चीन, जो बार-बार विस्तारवादी नीति के तहत भारत की सीमाओं पर दबाव बनाता रहा है, अब लद्दाख जैसे इलाक़ों में पीछे हटने पर मजबूर हुआ है। यह दबाव केवल गोलीबारी का नतीजा नहीं, बल्कि रणनीतिक, मनोवैज्ञानिक और तकनीकी बढ़त का परिणाम है। भारतीय सेना ने अपने संचार तंत्र, खुफिया सूचना नेटवर्क और अत्याधुनिक हथियार प्रणाली को जिस गति से विकसित किया है, वह उसे एशिया की सबसे घातक सेनाओं में शुमार करता है। अब भारत सिर्फ़ परंपरागत युद्ध की तैयारी में नहीं है, बल्कि साइबर वॉरफेयर, स्पेस डिफेंस और ड्रोन टेक्नोलॉजी में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह तकनीकी शक्ति जब सैनिकों के हौसले और देशभक्ति के जुनून से जुड़ती है, तो एक अद्वितीय मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा होता है — जो शत्रु को भ्रम, भय और संदेह की स्थिति में डाल देता है। दूसरी ओर, सेना का यह बदला हुआ रूप केवल बाहरी मोर्चे तक सीमित नहीं है। देश के भीतर भी भारतीय सेना एक अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रवादी चेतना की प्रतीक बन चुकी है। हर आम नागरिक के दिल में यह विश्वास गहरा हो चुका है कि हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं, क्योंकि वहाँ भारतीय सैनिक खड़े हैं। यह विश्वास जब दुश्मनों को दिखता है, तो उनकी रणनीति और नीयत दोनों हिल जाती हैं। मनुष्य की सबसे बड़ी ताक़त उसका मन होता है — और युद्ध में वही मनोबल निर्णायक भूमिका निभाता है। आज भारतीय सैनिकों का मनोबल दुश्मनों की तुलना में कई गुना अधिक है। कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाकों में जिस निडरता और संयम के साथ हमारे जवानों ने आतंकवाद का मुक़ाबला किया है, वह शत्रु संगठनों और उनके आकाओं के मनोबल को तोड़ने में सफल रहा है। यह बदलाव रातों-रात नहीं आया। यह सालों की मेहनत, प्रशिक्षण, नीति सुधार और आधुनिक तकनीक को अपनाने का परिणाम है। राजनीतिक नेतृत्व ने भी सेना को निर्णय लेने की स्वायत्तता दी, जिससे सीमाओं पर त्वरित कार्रवाई संभव हो पाई।

करगिल विजय दिवस: भारतीय शौर्य, अदम्य साहस और बलिदान का अमर उत्सव

-नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा: राष्ट्रसेवा का संदेश

हर साल 26 जुलाई को भारत 'करगिल विजय दिवस' के रूप में मनाता है — यह दिन न केवल एक सैन्य जीत का प्रतीक है, बल्कि भारतीय सेना के अदम्य साहस, अनुशासन, बलिदान और मातृभूमि के प्रति उनकी अटूट निष्ठा का गौरवपूर्ण जयगान भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कैसे भारत के जांबाज़ जवानों ने बर्फीली चोटियों पर दुश्मन से दो-दो हाथ करके अद्वत वीरता का प्रदर्शन किया था। 1999 में लड़े गए करगिल युद्ध ने यह साबित कर दिया कि भारत की सीमाओं की रक्षा में हमारे सैनिक किसी भी सीमा तक जा सकते हैं।

करगिल युद्ध की पृष्ठभूमि

1999 के शुरुआती महीनों में, पाकिस्तान ने एक गुप्त योजना के तहत अपने सैनिकों और आतंकियों को जम्मू-कश्मीर के करगिल सेक्टर की ऊंची पहाड़ियों पर गुपचुप तरीके से भेज दिया था। उनकी यह मंशा थी कि भारत के कब्जे वाले क्षेत्रों में अंदर तक घुसकर रणनीतिक बढ़त हासिल की जाए, जिससे श्रीनगर-लेह हाईवे को काटा जा सके और घाटी को भारत से अलग-थलग किया जा सके। लेकिन मई 1999 में भारतीय गड़रियों ने इन घुसपैठियों की मौजूदगी की सूचना भारतीय सेना को दी, और इसके बाद एक लंबा, भीषण, लेकिन वीरतापूर्ण युद्ध आरंभ हुआ — जिसे आज हम 'करगिल युद्ध' के नाम से जानते हैं।

ऑपरेशन विजय : भारत का सैन्य उत्तर

इस युद्ध का संचालन 'ऑपरेशन विजय' के नाम से किया गया। भारतीय सेना ने तीनों सेनाओं (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) की समन्वित ताक़त से इस चुनौती का मुकाबला किया। वायुसेना ने 'ऑपरेशन सफेद सागर' के अंतर्गत दुश्मन की चौकियों को निशाना बनाया और थलसेना ने दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में मोर्चा संभाला। भारत ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट कर दिया कि यह युद्ध भारत की भूमि की रक्षा के लिए है और किसी भी स्थिति में वह पीछे नहीं हटेगा।

कठिन परिस्थितियों में जंग

करगिल युद्ध की सबसे बड़ी चुनौती थी — भूगोल और मौसम। भारत को दुश्मनों को उन्हीं की ऊंची चोटियों से नीचे खदेड़ना था। जिन इलाकों में जंग हो रही थी, वहां तापमान -10 से -20 डिग्री सेल्सियस तक गिरता था। ऑक्सीजन की कमी, दुर्गम रास्ते, बर्फीली हवाएं और दुश्मन की पोज़िशन ऊंचाई पर होने के कारण भारत को भारी रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन भारतीय जवानों ने इन विषम परिस्थितियों को मात देते हुए एक-एक चोटी पर अपना झंडा फहराया। टोलोलिंग, टाइगर हिल, पॉइंट 4875 और बत्रा टॉप जैसी चोटियों पर हुए युद्धों में असाधारण वीरता देखने को मिली।

शौर्यगाथाएं : जिन पर हर भारतवासी को नाज़ है

करगिल युद्ध में कई ऐसे नाम सामने आए, जिन्होंने देशभक्ति और पराक्रम की नई मिसालें कायम कीं। इनमें से कुछ प्रमुख नाम हैं:

1. कैप्टन विक्रम बत्रा (PVC - मरणोपरांत)

"ये दिल मांगे मोर" — ये नारा आज भी युवाओं के दिलों में गूंजता है। कैप्टन बत्रा ने टाइगर हिल और पॉइंट 4875 को दुश्मनों से मुक्त कराने में निर्णायक भूमिका निभाई। दुश्मन के बंकर पर सीधा हमला करते हुए उन्होंने कई सैनिकों को मार गिराया और अपने साथी सैनिकों को प्रेरित करते रहे। अंततः गोली लगने से वे वीरगति को प्राप्त हुए।

2. राइफलमैन संजय कुमार (PVC)

बिना परवाह किए उन्होंने दुश्मन की गोलियों के सामने जाकर बंकर पर कब्जा कर लिया। घायल होने के बावजूद आगे बढ़ते रहे और दुश्मनों को खत्म किया।

3. ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव (PVC)

महज़ 19 वर्ष की उम्र में टाइगर हिल की चोटी पर चढ़ते हुए गोलियों से छलनी होने के बाद भी उन्होंने तीन दुश्मनों को मार गिराया और बंकर पर कब्जा कर लिया। वे बुरी तरह घायल थे, लेकिन उन्होंने लौटकर अपनी टुकड़ी को जीत की राह दिखाई।

4. मेजर पद्मपाणि आचार्य (MVC - मरणोपरांत)

उन्होंने अग्रिम मोर्चे पर लड़ते हुए अपने सैनिकों का उत्साह बनाए रखा और दुश्मन के किले को नेस्तनाबूद करने में अपनी जान गंवाई।

करगिल युद्ध में भारत का दृष्टिकोण

भारत ने युद्ध के दौरान साफ किया कि यह लड़ाई सिर्फ अपनी भूमि की रक्षा के लिए है। भारत ने 'एलओसी' के पार न जाकर अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन किया, जबकि पाकिस्तान ने युद्ध में अपनी सेना की मौजूदगी से साफ इनकार किया। लेकिन भारतीय सेना ने मारे गए सैनिकों की पाकिस्तानी सेना से जुड़े दस्तावेज और वर्दियां बरामद कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान की सच्चाई से अवगत करा दिया।

युद्ध की समाप्ति और भारत की विजय

26 जुलाई 1999 को भारत ने करगिल युद्ध में ऐतिहासिक विजय प्राप्त की। इस दिन दुश्मन को पूरी तरह खदेड़ दिया गया और करगिल सेक्टर में भारतीय तिरंगा फिर से लहराया गया। लगभग 527 भारतीय सैनिकों ने इस युद्ध में अपने प्राणों की आहुति दी। यह विजय केवल सैन्य जीत नहीं थी, यह भारतीय लोकतंत्र, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की जीत थी। यह भारतीय जवानों की हिम्मत, हौसले और मातृभूमि के लिए मर-मिटने के जुनून की जीत थी।

करगिल विजय दिवस : हर भारतीय का गौरव

आज जब हम 'करगिल विजय दिवस' मनाते हैं, तो यह दिन हमें उस महान संघर्ष की याद दिलाता है जिसमें हमारे वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह संदेश दिया कि भारत की भूमि पर कोई आँख उठाकर नहीं देख सकता। हर साल देश भर में 26 जुलाई को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्कूलों, कॉलेजों, सेना छावनियों और सीमावर्ती इलाकों में विशेष कार्यक्रम होते हैं। दिल्ली स्थित 'अमर जवान ज्योति' और द्रास स्थित 'करगिल वॉर मेमोरियल' पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

मीडिया और करगिल : जनचेतना की भूमिका

करगिल युद्ध ने पहली बार भारतीय मीडिया को युद्ध मोर्चे की कवरेज का अनुभव दिया। देशभर में समाचार चैनलों और अख़बारों ने करगिल के हर मोर्चे को जनता तक पहुँचाया, जिससे नागरिकों के मन में सैनिकों के प्रति आदर और भावनात्मक जुड़ाव और गहरा हुआ।

युद्ध के सबक

करगिल युद्ध ने कई रणनीतिक और राजनीतिक सबक भी दिए: खुफिया तंत्र की विफलता: इस युद्ध ने सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता में आई कमी को उजागर किया। इसके बाद खुफिया प्रणाली को सुदृढ़ किया गया। सैन्य आधुनिकीकरण: भारत ने सेना को अत्याधुनिक हथियारों, उपकरणों और ट्रेनिंग से लैस करने की दिशा में कई सुधार किए। सिविल मिलिट्री समन्वय: युद्ध के बाद नागरिक समाज और सेना के बीच का विश्वास और मजबूत हुआ।

नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा

करगिल विजय दिवस केवल अतीत की वीरगाथा का स्मरण नहीं, बल्कि युवाओं को देश सेवा और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देने का भी पर्व है। विक्रम बत्रा, संजय कुमार और योगेंद्र यादव जैसे योद्धाओं की कहानियाँ नई पीढ़ी को यह सीख देती हैं कि असली हीरो वे हैं, जो देश के लिए अपने प्राण तक न्यौछावर कर देते हैं। आज करगिल क्षेत्र पहले से ज़्यादा संरक्षित और सजग है। यहाँ पर्यटन भी बढ़ा है, लेकिन सेना की तैनाती और सतर्कता हमेशा बनी रहती है। द्रास, जो दुनिया के सबसे ठंडे युद्ध क्षेत्रों में से एक है, अब वीरता के तीर्थ स्थल के रूप में देखा जाता है। करगिल विजय दिवस भारत के शौर्य, बलिदान और एकजुटता की अमर गाथा है। यह दिन हमें हर साल यह याद दिलाता है कि जब भी देश पर संकट आता है, हमारे वीर सपूत प्राणों की बाज़ी लगाकर तिरंगे की शान बनाए रखते हैं। यह पर्व न केवल वीरों की श्रद्धांजलि है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रभक्ति को फिर से जागृत करने का अवसर भी है। इस करगिल विजय दिवस पर, आइए हम सब एक साथ मिलकर उन अमर शहीदों को नमन करें, जिन्होंने 'देश पहले' का आदर्श जीवन से भी ऊपर माना। हर साल 26 जुलाई को भारत करगिल विजय दिवस के रूप में उन वीर जवानों को श्रद्धांजलि देता है, जिन्होंने 1999 में करगिल युद्ध में दुश्मनों को मात देकर भारत की सीमाओं की रक्षा की। यह सिर्फ एक सैन्य जीत नहीं थी, बल्कि भारतीय सेना के अदम्य साहस, अनुशासन और देशभक्ति की मिसाल थी। पाकिस्तान की गुप्त घुसपैठ को नाकाम कर भारतीय सैनिकों ने टाइगर हिल, पॉइंट 4875 और बत्रा टॉप जैसी कठिन चोटियों पर विजय हासिल की।

वैश्विक व्यापार में भारत की चुनौतियाँ: चीन के बढ़ते वर्चस्व और पूंजीगत आयात पर निर्भरता

-भारत-चीन व्यापारिक संबंधों की पृष्ठभूमि

भारत, एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति, पिछले दो दशकों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में तेज़ी से आगे बढ़ा है। लेकिन वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य में भारत को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों में से एक है—चीन के साथ व्यापार संतुलन की असमानता, विशेष रूप से पूंजीगत वस्तुओं के आयात में भारत की बढ़ती निर्भरता। भारत के चीन के साथ व्यापारिक संबंध जटिल हैं। एक ओर जहां भारत, चीन से बड़े पैमाने पर पूंजीगत वस्तुएं आयात करता है, वहीं दूसरी ओर व्यापार घाटा दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। यह भारत के आत्मनिर्भरता अभियान और घरेलू विनिर्माण को प्रभावित करता है। इस लेख में हम विस्तार से चर्चा करेंगे कि वैश्विक व्यापार में भारत को क्या-क्या चुनौतियाँ हैं, विशेषकर चीन के संदर्भ में, और उनसे निपटने के लिए भारत क्या उपाय कर सकता है।

भारत-चीन व्यापारिक संबंधों का संक्षिप्त इतिहास

भारत और चीन के बीच औपचारिक व्यापार संबंध 1950 के दशक में स्थापित हुए थे। लेकिन वास्तविक गति 2000 के बाद आई, जब दोनों देशों ने आर्थिक उदारीकरण को तेज़ किया। भारत ने जहाँ अपनी सेवाओं और सॉफ़्टवेयर सेक्टर को खोला, वहीं चीन ने विनिर्माण क्षेत्र को। 2001 में चीन के विश्व व्यापार संगठन (WTO) में शामिल होने के बाद से उसकी उत्पादन क्षमता में जबरदस्त वृद्धि हुई। चीन ने सस्ते दाम पर उच्च गुणवत्ता वाली पूंजीगत वस्तुएं, मशीनरी और तकनीकी उत्पाद वैश्विक बाजार में भेजने शुरू किए। भारत, जो अभी विनिर्माण क्षेत्र में अपेक्षाकृत पिछड़ा था, ने इन वस्तुओं का आयात तेज़ी से बढ़ा दिया।

पूंजीगत वस्तुओं में भारत की चीन पर निर्भरता

पूंजीगत वस्तुएं (Capital Goods) वे वस्तुएं होती हैं जो उत्पादन प्रक्रिया में इस्तेमाल होती हैं—जैसे मशीनें, उपकरण, औद्योगिक प्लांट, ऊर्जा संयंत्रों में उपयोग होने वाली तकनीकी वस्तुएं आदि। भारत, एक विकासशील अर्थव्यवस्था होने के नाते, अपने औद्योगिक विस्तार के लिए इन वस्तुओं पर निर्भर है। चीन इन पूंजीगत वस्तुओं का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। कुछ मुख्य क्षेत्र जहां भारत चीन से इनका आयात करता है:

निर्माण क्षेत्र: सीमेंट प्लांट, स्टील निर्माण, निर्माण मशीनरी

ऊर्जा क्षेत्र: सौर पैनल, विंड टर्बाइन, ट्रांसफार्मर

परमाणु और रक्षा क्षेत्र: विशेष उपकरण, कंट्रोल सिस्टम, तकनीकी मॉड्यूल

औद्योगिक मशीनरी: CNC मशीनें, पैकेजिंग मशीनें, ऑटोमेशन उपकरण

पिछले एक दशक में, चीन से पूंजीगत वस्तुओं के आयात में प्रतिवर्ष 4% की औसत वृद्धि देखी गई है। यह वृद्धि दर्शाती है कि भारत का उत्पादन तंत्र अब भी बाहरी स्रोतों पर बहुत हद तक आश्रित है।

भारत की वैश्विक व्यापार में प्रमुख चुनौतियाँ

1. व्यापार असंतुलन और घाटा

भारत और चीन के बीच व्यापार असंतुलन चिंताजनक है। भारत चीन से जितना आयात करता है, उसके मुकाबले निर्यात बेहद कम है। 2023 में भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा लगभग 75 अरब डॉलर था। यह घाटा भारत की विदेशी मुद्रा स्थिति, व्यापार रणनीति और घरेलू उत्पादन क्षमता पर प्रभाव डालता है।

2. निर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मक कमजोरी

भारत का विनिर्माण क्षेत्र (Manufacturing Sector) अब भी चीन के मुकाबले महंगा, धीमा और कम उत्पादक है। यह कारण है कि भारत अपनी ज़रूरत की अधिकांश मशीनरी चीन से मंगवाने पर मजबूर होता है।

3. तकनीकी आत्मनिर्भरता की कमी

भारत अब भी हाई-टेक उत्पादन में पीछे है। अर्धचालक (सेमीकंडक्टर), इलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत मशीनें जैसे क्षेत्रों में तकनीकी आत्मनिर्भरता नहीं है। ऐसे में भारत को चीन, कोरिया, जापान और पश्चिमी देशों से आयात करना पड़ता है।

4. भुगतान असंतुलन और मुद्रा दबाव

लगातार आयात बढ़ने से डॉलर की मांग बढ़ती है, जिससे भारतीय रुपया कमजोर होता है। यह मुद्रास्फीति को बढ़ा सकता है और आयात पर निर्भरता को और महंगा बना देता है।

5. भूराजनीतिक तनाव

भारत-चीन के बीच सीमावर्ती विवादों के चलते भूराजनीतिक तनाव बना रहता है। ऐसे में एक रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी देश पर आर्थिक रूप से निर्भर रहना खतरनाक रणनीति है। किसी भी परिस्थिति में चीन भारत की आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर सकता है।

निर्यात क्षेत्र की कमजोरियाँ

भारत का वैश्विक निर्यात अभी भी कच्चे माल (जैसे लोहा, कपास, मसाले, चाय) और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर केंद्रित है। जबकि विश्व बाज़ार में प्रतिस्पर्धा के लिए उन्नत विनिर्मित उत्पादों और ब्रांड वैल्यू की ज़रूरत है। भारत में ब्रांडेड तकनीकी वस्तुओं का वैश्विक स्तर पर अभाव है।

भारत के प्रयास और रणनीतियाँ

1. 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान

भारत सरकार ने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं के तहत घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने का प्रयास किया है। रक्षा, मोबाइल निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ड्रोन आदि क्षेत्रों में निवेश को बढ़ाया गया है।

2. PLI स्कीम (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना)

PLI स्कीम के माध्यम से सरकार कंपनियों को स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाने पर आर्थिक सहायता देती है। इससे भारत में मोबाइल फोन निर्माण, सौर पैनल उत्पादन, फार्मास्युटिकल उद्योग, और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में सुधार देखा गया है।

3. विकल्प बाज़ारों की तलाश

भारत अब पूंजीगत वस्तुओं के लिए अन्य विकल्प तलाश रहा है—जैसे जर्मनी, दक्षिण कोरिया, जापान, ताइवान आदि। यह विविधीकरण रणनीति भारत को चीन पर निर्भरता से कुछ हद तक राहत दिला सकती है।

4. स्थानीय MSME सेक्टर को सशक्त करना

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (MSME) भारत के निर्माण क्षेत्र की रीढ़ हैं। सरकार द्वारा वित्तीय सहायता, तकनीकी प्रशिक्षण, और डिजिटल रूपांतरण जैसी पहल MSME को प्रतिस्पर्धात्मक बना सकती हैं।

5. टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और स्किल डेवलपमेंट

भारत को विदेशी कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यमों के ज़रिए तकनीकी ज्ञान अर्जित करना चाहिए।

"अब्दुल माजिद ख़ान: भगत सिंह के गुमनाम लेकिन महान क्रांतिकारी साथी"

-भारत की आज़ादी की लड़ाई में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल बने अब्दुल माजिद ख़ान

भारत की आज़ादी की जंग में भगत सिंह को कौन नहीं जानता? उनका नाम आज़ादी, बलिदान और इंकलाब का पर्याय बन चुका है। लेकिन क्या हम जानते हैं कि इस क्रांति की मशाल को जलाए रखने में कई ऐसे साथी भी थे, जिनका नाम इतिहास की किताबों में बहुत ज़्यादा उजागर नहीं हुआ? ऐसे ही एक महान और समर्पित क्रांतिकारी थे – अब्दुल माजिद ख़ान। वे भगत सिंह के बेहद करीबी और भरोसेमंद साथी थे। उन्होंने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) जैसे क्रांतिकारी संगठन में न केवल बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया बल्कि अपनी जान की परवाह किए बिना अंग्रेज़ हुकूमत के खिलाफ़ संघर्ष किया।

अब्दुल माजिद ख़ान का परिचय

अब्दुल माजिद ख़ान का जन्म अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत में हुआ था। वे एक ग़रीब लेकिन सच्चे देशभक्त परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनका बचपन ऐसे माहौल में बीता जहाँ अंग्रेज़ों के ज़ुल्म के किस्से हर गली और नुक्कड़ पर सुनाई देते थे। यही वजह रही कि किशोरावस्था में ही उनके मन में ब्रिटिश राज के प्रति घृणा और आज़ादी के प्रति जुनून पैदा हो गया। उन्हें पढ़ाई के दौरान भगत सिंह और उनके साथियों के विचारों ने गहराई से प्रभावित किया। उनकी विचारधारा समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और क्रांति पर आधारित थी। उन्होंने बहुत जल्दी यह समझ लिया था कि सिर्फ़ भाषणों और प्रार्थनाओं से अंग्रेज़ों को भारत से नहीं भगाया जा सकता, बल्कि इसके लिए हिम्मत, संगठन और कुर्बानी की ज़रूरत है।

HSRA और माजिद ख़ान की भूमिका

हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) की स्थापना 1928 में की गई थी, जिसका उद्देश्य भारत को अंग्रेज़ों से आज़ाद कराना था, और समाजवाद की स्थापना करना था। यह संगठन भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, चंद्रशेखर आज़ाद, भगवतीचरण वोहरा जैसे कई क्रांतिकारियों से बना था। अब्दुल माजिद ख़ान भी इस संगठन के सक्रिय सदस्य थे। वे संगठन के लिए हथियारों की व्यवस्था, गुप्त सूचनाओं का आदान-प्रदान, पोस्टर छापने और वितरित करने जैसे कई अहम कामों को अंजाम देते थे। वे कई मौकों पर अंग्रेज़ अफ़सरों की जासूसी करने, पुलिस की गतिविधियों की जानकारी संगठन तक पहुँचाने और क्रांतिकारी साथियों को पनाह देने जैसे खतरनाक कामों में भी शामिल रहे। उन्होंने संगठन के अंदरूनी कामकाज में एक भरोसेमंद साथी की भूमिका निभाई।

भगत सिंह से नज़दीकी रिश्ता

अब्दुल माजिद ख़ान और भगत सिंह के बीच केवल एक राजनीतिक रिश्ता नहीं था, बल्कि दोनों के बीच गहरी दोस्ती, आपसी भरोसा और सम्मान का रिश्ता था। भगत सिंह ने माजिद ख़ान को अपने सबसे विश्वसनीय साथियों में गिना। दोनों का यह यक़ीन था कि धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि विचारों और देशभक्ति के ज़रिये एक नया भारत बनाया जा सकता है। जब भगत सिंह और उनके साथी दिल्ली में सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने की योजना बना रहे थे, तो माजिद ख़ान उन चुनिंदा लोगों में थे जिन्हें इस गुप्त योजना की जानकारी थी। उन्होंने ही उस मिशन की तैयारी के पीछे ज़मीनी सहयोग प्रदान किया था।

क्रांतिकारी गतिविधियाँ और अंग्रेज़ी हुकूमत का प्रकोप

माजिद ख़ान ने कई गुप्त मिशनों में भाग लिया। लाहौर षड्यंत्र केस, बम बनाना, हथियारों की तस्करी, संगठन की पत्रिकाओं को गुप्त रूप से छापना और उनके वितरण जैसे अनेक कार्यों में वे सक्रिय रहे। अंग्रेज़ों ने उन्हें कई बार गिरफ़्तार करने की कोशिश की लेकिन वे हर बार संगठन के दूसरे साथियों की मदद से बच निकलते। अंततः 1929 में जब लाहौर षड्यंत्र केस में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को गिरफ़्तार किया गया, तो अब्दुल माजिद ख़ान भी गिरफ्त में आ गए।

लाहौर षड्यंत्र केस और माजिद ख़ान की गिरफ़्तारी

लाहौर षड्यंत्र केस भारत की आज़ादी की लड़ाई का एक अहम मोड़ था। इस केस में कुल 21 क्रांतिकारियों को अभियुक्त बनाया गया। इन पर अंग्रेज़ अफ़सर सांडर्स की हत्या, असेंबली बम कांड, और देशद्रोह जैसी गंभीर धाराएँ लगाई गईं। अब्दुल माजिद ख़ान को भी इस केस में गिरफ़्तार किया गया और लंबे समय तक लाहौर जेल में रखा गया। उन्हें न सिर्फ़ मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, बल्कि शारीरिक रूप से भी बर्बरता से पीटा गया ताकि वे अपने साथियों का नाम उजागर करें। लेकिन माजिद ख़ान ने अंग्रेज़ों के सामने घुटने नहीं टेके। उन्होंने हर तरह की यातना को हँसकर सहा और किसी भी साथी का नाम नहीं लिया। उनके इस जज़्बे ने जेल में बंद दूसरे क्रांतिकारियों को भी प्रेरणा दी।

भगत सिंह की फाँसी और माजिद ख़ान का दर्द

23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फाँसी दे दी गई। यह खबर जब जेल के अन्य कैदियों तक पहुँची, तो अब्दुल माजिद ख़ान उन पहले लोगों में थे जिन्होंने जेल में मातमी माहौल बना दिया। उनकी आँखों से आँसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। वे भगत सिंह को केवल एक नेता नहीं, बल्कि अपने बड़े भाई जैसा मानते थे। उन्होंने जेल में ही भगत सिंह की याद में एक क़लाम भी लिखा, जो बाद में क्रांतिकारी हलकों में खूब पढ़ा गया।

रिहाई के बाद भी संघर्ष

अब्दुल माजिद ख़ान को लाहौर षड्यंत्र केस में उम्रक़ैद नहीं मिली, लेकिन लंबी जेल की सज़ा और ज़मानत के बाद जब वे जेल से बाहर आए, तो उनकी सेहत बहुत कमज़ोर हो चुकी थी। लेकिन उनका हौसला अभी भी बुलंद था। उन्होंने बाहर आकर फिर से युवाओं को क्रांतिकारी विचारधारा से जोड़ने का काम शुरू किया। उन्होंने पंजाबी, उर्दू और हिन्दी में कई लेख लिखे और युवाओं को अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ़ खड़े होने के लिए प्रेरित किया। हालाँकि भारत में स्वतंत्रता संग्राम अब गांधीवादी आंदोलन की ओर मुड़ चुका था, लेकिन माजिद ख़ान जैसे लोग मानते थे कि आज़ादी की लड़ाई कई रास्तों से लड़ी जानी चाहिए। 1947 में जब भारत आज़ाद हुआ, तो अब्दुल माजिद ख़ान को किसी पुरस्कार, तमगे या सरकारी सम्मान की दरकार नहीं थी। वे उन लोगों में थे जिन्होंने सिर्फ़ देश के लिए लड़ाई लड़ी, किसी पद, प्रतिष्ठा या शोहरत के लिए नहीं। आज़ादी के बाद वे एक शिक्षक बन गए और युवाओं को इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक न्याय के लिए प्रेरित करते रहे।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को मिला प्रतिष्ठित "संसद रत्न अवार्ड"

-यह पुरस्कार भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के आशीर्वाद से प्रारंभ किया गया

मोहम्मद यासीन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)देश की संसदीय प्रणाली को सशक्त बनाने में विशिष्ट योगदान देने वाले राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को इस वर्ष का "संसद रत्न अवार्ड" प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें संसद में उनके उत्कृष्ट कार्य, जनहित के मुद्दों पर सक्रियता और विधायी योगदान के लिए दिया गया। "संसद रत्न अवार्ड" देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उत्कृष्ट संसदीय प्रदर्शन को मान्यता देने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार प्रतिष्ठित पार्लियामेंट्री रिसर्च संस्था प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के आशीर्वाद से प्रारंभ किया गया था। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने संसद के सत्रों में लगातार उपस्थिति, प्रभावशाली बहसों, प्रश्नों और जनहित याचिकाओं के माध्यम से अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक मुद्दों को संसद में उठाया, जिससे आम जन की समस्याओं को राष्ट्रीय मंच मिला। पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन नई दिल्ली के न्यू महाराष्ट्र सदन में आयोजित किया गया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को यह पुरस्कार प्रदान किया। इसमें देश भर के वरिष्ठ सांसद, नीति निर्माता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सांसद मदन राठौड़ ने कहा, "यह सम्मान प्रदेश की जनता की सेवा का परिणाम है। मैं सदैव जनहित और राष्ट्रहित में कार्य करता रहूंगा। यह पुरस्कार मुझे और अधिक जिम्मेदारी से कार्य करने की प्रेरणा देता है।" यह सम्मान न केवल राठौड़ की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि एक प्रेरणा है उन सभी जनप्रतिनिधियों के लिए जो लोकतंत्र को मजबूती देने के लिए समर्पित हैं। राठौड़ को यह पुरस्कार राज्यसभा की ओवरऑल कैटेगरी में उनके प्रभावशाली योगदान और सक्रिय भूमिका के लिए दिया गया है। इस वर्ष कुल 17 सांसदों और 2 संसदीय समितियों का चयन इस पुरस्कार के लिए किया गया है।

राज्य सरकार के पहले 18 माह में बदली प्रदेश की तस्वीर, हर क्षेत्र में हुए परिवर्तनकारी कार्य - उप मुख्यमंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की 18 माह की उपलब्धियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का उप मुख्यमंत्री एवं राजसमंद जिला प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को सूचना केंद्र, राजसमंद में उद्घाटन किया। उद्घाटन उपरांत उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन कर राज्य सरकार की नीतियों और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के इस प्रयास की सराहना की।

उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि यह प्रदर्शनी आमजन को सरकार की प्राथमिकताओं और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि आज से अठारह महीने पहले जब मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी के नेतृत्व में सरकार बनी, तो प्रदेश में एक नया सूरज उदय हुआ। राजस्थान उम्मीदों से भरा है। हमने सिर्फ वादे नहीं किए, बल्कि एक विकसित राजस्थान बनाने का संकल्प लिया और आज मैं गर्व से कह सकता हूँ कि हम उस संकल्प को साकार करने के लिए आगे बढ़ रहे है।

प्रदर्शनी में स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, जल संसाधन, पीडब्ल्यूडी, कृषि, उद्यानिकी, प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, पीएचईडी, डीआईसी, राजीविका, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग, वाटरशेड सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं और गत 18 माह में किए गए प्रमुख विकास कार्यों, उपलब्धियों, सफलताओं, परियोजनाओं आदि की सचित्र जानकारी प्रदर्शित की गई।

इस अवसर पर कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़, जिला प्रमुख श्रीमती रतनी देवी जाट, जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, प्रभारी सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जिला कलक्टर अरुण हसीजा, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर के निर्देशन में सभी विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग संबंधी विकास कार्यों और उपलब्धियों की स्टैंडी तैयार कर प्रदर्शित की गई और अवलोकन के दौरान उप मुख्यमंत्री को कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई।

सूचना केंद्र में किया पौधारोपण—

उद्घाटन के पश्चात उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा सहित समस्त अतिथियों ने सूचना केंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उप मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने—अपने स्तर पर पौधारोपण अवश्य करें एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दें।

उप मुख्यमंत्री ने अंत में टीबी रोगियों को निक्षय पोषण किट वितरण किया, इस दौरान सीएमएचओ डॉ. हेमंत बिंदल और जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. रामनिवास जाट मौजूद रहे।

विद्यालय एवं आंगनबाड़ी भवनों लेकर जिला कलक्टर ने जारी किये विशेष दिशा निर्देश

- फील्ड में उतरे अधिकारी, विद्यालयों-आंगनबाड़ी केंद्रों के भवनों का किया निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मानसून सीजन में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए विद्यालयों एवं आंगबाड़ी केन्द्रों के भवनों को लेकर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश जारी किये हैं। जिसमें अधिकारियों को हर हाल में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की सख्त हिदायत दी गई है। दिशा निर्देशों की पालना में लापरवाही एवं किसी भी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति में व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी शनिवार को राजकीय अवकाश के दिन फील्ड में उतरे एवं क्षेत्र में संचालित सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद अधिकारी जर्जर भवनों की मरम्मत कार्य सुनिश्चित करेंगे साथ ही इस अवधि में वैकल्पिक स्थान पर ऐसे विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन होगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में समस्त विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों एवं जर्जर मकानों का सघन सर्वे कर क्षतिग्रस्त एवं जीर्ण-शीर्ण भवनो को चिन्हित करने व उनको तत्काल वैकल्पिक स्थानों पर शिफ्ट करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

साथ ही विद्त विभाग के अधिकारियों द्वारा साज दिन में जिले में ढीली विद्त लाइन, कम ऊंचाई पर लगे ट्रांसफार्मर, टेढ़े एवं जर्जर विद्त पोल इत्यादि को दुरुस्त करवा कर निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप व्यवस्था सुचारू होने का सर्टिफिकेट जारी करवाये जाने के लिए निर्देशित किया गया है। जिला कलक्टर ने क्षतिग्रस्त एवं जीर्ण-शीर्ण भवनों को चिन्हित करने के उपरान्त इनका उपयोग बच्चों को बैठाने व अन्य किसी भी गतिविधि में ना हो यह भी सुनिश्चित करने, जीर्ण-शीर्ण पाए गए विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों से बच्चों को वैकल्पिक एवं सुरक्षित भवन चिन्हित कर उनमें शिफ्ट करवाने, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में जीर्ण-शीर्ण भवनों से भी परिवारों को शिफ्ट करवाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों में आवागमन के रास्तों को दुरुस्त करवाने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों एवं पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों को विद्यालय परिसर में जर्जर भवनों, कमरों में विद्यार्थियों को नहीं बैठाने, आस-पास के क्षेत्र को चिन्हित कर ब्लॉक करने, वर्षाकाल में विद्यालय भवन की छतों का नियमित निरीक्षण करने, छतों एवं नालों की सफाई करवाने, भवन की छतों पर जल निकासी सुनिश्चित करने, विद्यालय भवन एवं चारदीवारी की नीवों में पानी न भरे, गढ्ढे हो तो तुरंत सूखी मिट्टी से भरवाने तथा विद्यालय परिसर में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए हैं। वहीं, अधिकारियों को विद्यालय के आस-पास नाडी, तालाब होने की स्थिति में सुस्पष्ट एवं सदृश्य चेतावनी बोर्ड लगवाने, विद्यालय परिसर या उसके आस पास खुले कुएं, बोरवेल, टांके, टैंक इत्यादि खुले हो तो उन्हें तुरन्त बन्द करवाने, विद्यालय कमरों की दिवारों के बिलकुल पास पेड़-पौधे न लगाने, विद्यालय परिसर में विद्त पोल ना हो, बिजली के तार खुले ना छोड़ने एवं तुरन्त मरम्मत करवाने के साथ-साथ अतिवृष्टि होने पर विद्यार्थियों हेतु अवकाश रखने की स्थिति में उच्च अधिकारियों एवं अभिभावकों को सूचित करने के लिए निर्देशित किया है।

हरियालो राजस्थान अभियान को जनसहभागिता से सफल बनाएं- हीरालाल नागर

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। टोंक जिले के प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश हरियालो राजस्थान के रूप में पहचान बना रहा है। हरियाली, जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर है। राज्य सरकार हरियालों राजस्थान महाअभियान के तहत 5 साल में 50 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है। पिछले मानसून में साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए थे और इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस दौरान देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, निवाई-पीपलू रामसहाय वर्मा, जिला प्रमुख श्रीमती सरोज बंसल, जिला प्रभारी सचिव श्रीमती अर्चना सिंह, जिला कलेक्टर श्रीमती कल्पना अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा, जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान समेत विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

नागर ने शनिवार को जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक में हरियालो राजस्थान अभियान को जनसहभागिता से सफल बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल भी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रदेश में ग्रीन कवर बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

ऊर्जा मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा राज्य निधि से संचालित व केंद्र प्रवर्तित योजनाओं से संबंधित फ्लैगशिप योजनओं की समीक्षा की तथा राज्य सरकार की मंशानुसार अधिकाधिक पात्र लोगों को इन योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 25 फ्लैगशिप योजनाओं में जिले की प्रगति और आवंटित लक्ष्यों को हासिल करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। नागर ने फ्लैगशिप स्कीम जल जीवन मिशन में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल कनेक्शन के लिए खोदी गई सड़कों के मरम्मत कार्यों की कमेटी बनाकर जांच करने के लिए जिला कलेक्टर श्रीमती कल्पना अग्रवाल को निर्देश दिए। साथ ही, पेयजल लाइनों में अवैध कनेक्शन करने वालों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करने के लिए जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश गोयल एवं बीसलपुर परियोजना के अभियंताओं को निर्देशित किया।

ऊर्जा मंत्री नागर ने बजट घोषणा वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं वर्ष 2025-26 में भूमि आवंटन, वित्तीय स्वीकृति एवं कार्य प्रगति को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरिया से जानकारी ली। एडीएम ने बताया कि बजट घोषणाओं में 33 भूमि आवंटन किये जाने थे। इनमें से 32 के लिए भूमि आवंटित हो चुकी है। भूमि आवंटन का एक प्रकरण भी शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा।

पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश—

टोंक जिले के प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर शनिवार को न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के सार्वजनिक पार्क में हरियालो राजस्थान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। नागर ने पार्क में अमलतास का पौधा लगाया। साथ ही आमजन को भी इस वर्षाकाल में अधिकाधिक पौधे लगाने और बड़ा होने तक उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।

रेडियन्स पब्लिक स्कूल, शाहपुरा में कारगिल विजय दिवस मनाया गया

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा देवन रोड पर स्थित रेडियन्स पब्लिक स्कूल में शनिवार को कारगिल विजय दिवस पर एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए बच्चों ने देशभक्ति से भरे भाषण, कविताएं और विचार साझा किए। कार्यक्रम में हिमांशु, देवायुष, तनिसखा, जान्हवी, तन्वी, दिव्यांशी, आयुष, अस्मिता, दिव्यांश, प्रिंस, ख्वाइश और ईशांत जैसे विद्यार्थियों ने विशेष भागीदारी निभाई। शिक्षकगण ने भी बच्चों को देशप्रेम, त्याग और वीरता के महत्व के बारे में बताया।

जिला प्रशासन की 134 टीमों ने 1000 से ज्यादा विद्यालय एवं आंगनबाड़ी भवनों का किया निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जयपुर जिला प्रशासन के 134 दलों ने शनिवार को जयपुर जिले में राजकीय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवनों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, बाल विकास परियोजना अधिकारियों, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने कुल 698 विद्यालयों, 403 आंगनबाड़ी केन्द्रों, 54 अन्य भवनों का निरीक्षण किया एवं भवन की स्थिति का जायजा लिया। गौरतलब है कि मानसून सीजन में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए विद्यालयों एवं आंगबाड़ी केन्द्रों के भवनों को लेकर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश जारी किये हैं। जिसमें अधिकारियों को हर हाल में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की सख्त हिदायत दी गई है। दिशा निर्देशों की पालना में लापरवाही एवं किसी भी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति में व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। निरीक्षण के बाद अधिकारी जर्जर भवनों की मरम्मत कार्य सुनिश्चित करेंगे साथ ही इस अवधि में वैकल्पिक स्थान पर ऐसे विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन होगा।

राजकीय स्कूल में लापरवाही की हद

-छात्र से करंट चालू लाइट में ठीक करवाया बोर्ड
-बीमार छात्रा दर्द से तड़पती रही फर्श पर

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। खोरा गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को शिक्षकों की लापरवाही एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई। विद्यालय में उस समय चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आईं जब एक छात्र चालू बिजली के कनेक्शन में इलेक्ट्रिक बोर्ड सुधारता नजर आया और एक बीमार छात्रा दर्द से तड़पती हुई ज़मीन पर पड़ी मिली — लेकिन न तो कोई शिक्षक पास था और न ही उसे अस्पताल ले जाया गया था।

जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब 12 बजे कक्षा 11 में कोई भी शिक्षक मौजूद नहीं था। इस दौरान एक छात्र विद्त बोर्ड की मरम्मत करता मिला, वह भी तब जब बोर्ड में करंट चालू था। पूछने पर छात्र ने बताया कि उसे उसके ही शिक्षक ने बिजली ठीक करने को कहा था।

इसी दौरान कक्षा 9 की छात्रा रोशन योगी की तबीयत बहुत खराब होने के बावजूद उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के बजाय कक्षा के फर्श पर ही लिटाकर छोड़ दिया गया। वह दर्द से कराहती रही और सहेलियां उसे तसल्ली देती रहीं।

इस पूरे मामले में जब विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश रैगर से बात की गई तो उन्होंने कहा, "मैंने आज ही ज्वॉइनिंग ली है। मुझे जानकारी नहीं है कि बच्चे से किसने बिजली ठीक करवाई और छात्रा को अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया।"

बाद में मामले को बढ़ता देख आनन-फानन में छात्रा को चिकित्सालय भेजा गया।

बड़ा सवाल यह है कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूल कितने जिम्मेदार हैं? क्या शिक्षकों को इतना भी एहसास नहीं कि बिजली से बच्चे की जान जा सकती है? क्या बीमार छात्रा को अस्पताल पहुंचाना स्कूल का दायित्व नहीं? अब ज़रूरत इस बात की है कि शिक्षा विभाग इस लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करे और स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त दिशा-निर्देश लागू करे।

क्या कहते है प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य प्रकाश रैगर का कहना है कि मैने आज ही विद्यालय ज्वाइन किया है इसकी मुझे जानकारी नहीं है।

जानकारी प्राप्त कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

रा. म. गांधी सी. से. विद्यालय रैगर बस्ती 40 साल पुराने जर्जर शीर्ण भवन में संचालित

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका) । शाहपुरा उपखंड के मनोहरपुर नगर में स्थित राजकीय महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी स्कूल रैगर बस्ती 40 साल पुराने जर्जर शीर्ण भवन में संचालित है।

यहां करीब 250 विद्यार्थी अध्यनरत है। जिनमें 90 फ़ीसदी दलित समुदाय की बालिकाएं अध्यनरत है। भवन सैकड़ो वर्ष पुराने गढ़ की दीवार के नीचे बना हुआ है। गढ़ की दीवार बेहद जर्जर हो चुकी है। जो कभी भी गिरने से स्कूल में बड़ा हादसा हो सकता है। भवन में 35 साल पूर्व बने चार कमरे भी बिल्कुल जीर्ण शीर्ण हो चुके हैं। भवन में ने तो खेल मैदान है, नही लेब है, मात्र 350 वर्ग गज में संचालित है। जबकि इसी स्कूल के अधीन शिव कॉलोनी मुरली धाम में चार बीघा भूमि आवंटित है। जहां नया भवन बनाया जा सकता है स्कूल लेकर बीजेपी ऐसी मोर्चा जयपुर जिला देहात उत्तर के जिला अध्यक्ष एडवोकेट बीएस बेनीवाल व नगर पालिका पार्षद बिमला बेनीवाल ने शिक्षा मंत्री, सांसद जयपुर ग्रामीण राव राजेंद्र सिंह, एसडीम शाहपुरा को मांग पत्र भिजवाया है। जल्द ही विद्यालय के नाम से आरक्षित चार बीघा भूमि पर नया भवन बनाने की मांग की। इस जर्जर भवन को हटाकर नया भवन बनाने के बाद अंबेडकर नगर तिराहे पर संचालित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर दो कोई यहां शिफ्ट करने की मांग की। वह इस 12 वीं तक के विद्यालय को खुली जगह मुरली धाम में संचालित करने की मांग की। जहां 4 बीघा जमीन भी आरक्षित है। वहां खेल मैदान, लेब, लाइब्रेरी, स्टाफ रूम आदि सब बनाये जा सकते है। पूर्व में भी इसके लिए 95 लाख रुपये स्वीकृत हुए थे। लेकिन कुछेक नासमझ लोगो ने विधायलय को अन्यत्र स्थापित करने का विरोध किया था। जिसके चलते नया भवन नही बनाया जा सका। अब बच्चो की जान जोखिम में नहीं डाली सा सकती। मोहल्ले वासी नया भवन बनाने की मांग कर रहे है। यंहा जर्जर भवन को हटाकर नया भवन बनाने के बाद छोटे बच्चों के लिए उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 2 शिफ्ट किया जा सकता है। जिससे छोटे बच्चे यंहा अध्ययन कर सके एवं बड़े बच्चे शिव कॉलोनी के नए भवन में पढ़ सकेंगे।

नागेश्वर मंदिर में प्रतिदिन रुद्राभिषेक

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। सीकर में पिपराली रोड बायपास स्थित नागेश्वर गणेश मंदिर में प्रतिदिन रुद्राभिषेक करवाया जा रहा है महंत शशि शर्मा ने बताया कि सुबह 5 बजे लगातार रुद्राभिषेक किया जाता है जिस में भगत शिव का अभिषेक कर सकते है सावन के महीने में भगवान शिव का रुद्राभिषेक करना बहुत ही शुभ और फलदायी माना जाता है। यह भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्त करने का एक शक्तिशाली तरीका है। रुद्राभिषेक से सुख, समृद्धि, आरोग्य और ग्रहों की बाधाएं दूर होती हैं। रुद्राभिषेक के लिए, शिवलिंग पर जल, दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल, आदि चढ़ाए जाते हैं। रुद्राभिषेक करते समय रुद्री पाठ (मंत्रों का जाप) करना भी बहुत महत्वपूर्ण है।

कृष्ण कुमार वर्मा मीडिया प्रमुख बने

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के उत्तर देहात के जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी के निर्देसानुसार भाजपा मंडल मनोहरपुर के अध्यक्ष रामचंद्र यादव द्वारा कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कस्बे के आमलियों का बास निवासी कृष्ण कुमार वर्मा पुत्र गजानंद वर्मा को मीडिया प्रमुख नियुक्त किया गया है। वर्मा को मीडिया प्रमुख नियुक्त होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। भाजपा पदाधिकारियों व गणमान्य लोगो ने बधाइयां दी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

अवैध खनन से दरगाह को क्षति पर एआईएमआईएम ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। सोजत में स्थित 9 गज पीर बाबा दरगाह के पीछे अवैध खनन से दरगाह को हुई क्षति को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर पाली को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन पार्टी के जिला प्रभारी सद्दाम हुसैन हबीबी, जिला अध्यक्ष आसिफ खान सिलावट, तथा सोजत विधानसभा अध्यक्ष नियामत अली रंगरेज के नेतृत्व में प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में अवैध खनन पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित खननकर्ताओं और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन की है, और अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलनात्मक रास्ता अपनाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि अवैध खनन की वजह से यह पूरा क्षेत्र अब डेंजर जोन में आ गया है। दरगाह क्षेत्र में खनन से जो क्षति हुई है, उसमें भले ही अभी तक जनहानि नहीं हुई है, लेकिन जनहानि की गंभीर संभावना बनी हुई है। ऐसी स्थिति में भविष्य में कोई बड़ा हादसा होने से पहले प्रशासन को तत्काल प्रभाव से इस क्षेत्र में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना चाहिए। ज्ञापन सौंपते समय एआईएमआईएम के कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें संगठन मंत्री हनीफ खान, सोशल मीडिया प्रभारी रमजान अशरफी, शहर महासचिव गौस मोहम्मद, शहर सचिव यूसुफ तिलजीवाला, सोजत विधानसभा उपाध्यक्ष जावेद रंगरेज, सचिव जावेद सिलावट, सचिव नौशाद अली रंगरेज, उपाध्यक्ष मोहम्मद वकील, प्रवक्ता नदीम खान सिलावट, संयुक्त सचिव मुक्तदिर एवं जहांगीर सिलावट सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को चेताया कि यदि इस गंभीर मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी स्तर पर बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

बलेखन में करीबन 2 वर्ष बंद पड़ा रास्ते को खुलवाने में नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ के आदेश पर रास्ते को खोलवाया

-जिला कलेक्टर के रास्ता खोलो अभियान की लोगों ने की सराहना

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। गोविंदगढ़ पंचायत समिति के ग्राम बलेखन स्थित बिछवालियो की ढाणी से ग्राम लोहरवाड़ा सीमा तक पिछले 2 साल से बंद पड़े रास्ते को गोविंदगढ़ नायब तहसीलदार के आदेश पर गोविंदगढ़ हल्का गिरदावर कमल कुमार यादव व पुलिस थाना गोविंदगढ़ के ASI शंकर लाल ने जेसीबी मशीन की सहायता से रास्ते को खुलवाया इसी प्रकार ग्राम बलेखन के बिछवालियों की ढाणी निवासी रामचंद्र यादव, गोवर्धन यादव, लालचंद यादव के मकान तक प्रशासन ने बंद रास्ते को खुलवाया। इस दौरान चिमनपुरा पटवारी गिरधारी मीणा, ईटावा-भोपजी के पटवारी जगत सिंह गुर्जर एवं राजस्व टीम ने रास्ते का सीमाज्ञान करके रास्ते को खोल गया इस मौके पर मदन सिंह बलेखन, शंकर यादव, बंशी बिछवालिया, शंकर मीणा, गोपाल यादव, हनुमान साहय यादव, कालू किलगानिया सहित उपस्थित रहे। इस मौके पर मदन सिंह बलेखन ने बताया कि इस रास्ते को दो वर्ष पहले आपसी विवादित मामले को लेकर बंद कर दिया था जिससे आवा- जावी मैं काशी परेशान ए उठानी पड़ रही थी लेकिन अब यह रास्ता सुचारू चालू होने पर आवा जावी कोई परेशानी नहीं होगी इस पर सभी पास पड़ोसियों ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया ।

चारणवास आलीसर के स्थित स्वीट वोईस मुख बधिर महाविद्यालय में

-कारगिल दिवस मना कर श्रद्धांजलि सपा का आयोजन हुआ

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत आलीसर के ग्राम चारणवास स्थित स्वीट वोईंस मूकं-बधिर एवं बौद्धिक दिव्यांग विशेष विद्यालय तथा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रद्धांजलि सभा में करगिल युद्ध में शहीद हुए अमर जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। संस्था निदेंशक अजीत सिंह पालावत तथा सह निदेशक प्रदीप सिंह सहित सभी अध्यापक गणों ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरुप पुष्प अर्पित किए इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में सह निदेशक प्रदींप सिंह पालावत ने श्रद्धांजलि सभा में संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल विजय के प्रमुख हीरो विक्रम बत्रा की वीरता के बारे में बच्चों को जानकारी दी, और किस प्रकार अंतिम समय तक घायल होने के बाद भी उन्होंने दुश्मनों का मुकाबला करते रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अंबुज कुमार शर्मा , प्राध्यापक जगदीश प्रसाद, शिवलाल सैनी, विजय सिंह कृष्णकांत, विंध्य कुमार कुमार के साथ-साथ स्कूल प्रधानाचार्य भागीरथ सिंह अध्यापक प्रदीप कुमार, बृजराज पटेल ,सीताराम यादव, सीमा शर्मा, अनीता वर्मा, अनीता सैन आदि उपस्थित रहे।

खंडार में कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली का हुआ आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार सवाई माधोपुर जिले के खंडार विधानसभा में संविधान बचाओ रैली का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला खंडार में किया गया अग्रवाल धर्मशाला में कांग्रेस कार्यकर्ता इकट्ठे हुए सभा के आयोजन में मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए जिला संगठन प्रभारी पुष्पेंद्र भारद्वाज ने कहा कि संविधान में भाजपा सरकार छेड़छाड़ कर रही है। कांग्रेस के कार्यकर्ता संविधान में किसी प्रकार की छेड़छाड़ को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसका पुरजोर विरोध करेंगे, सड़कों पर उतरकर के संविधान की रक्षा करेंगे पूर्व कैबिनेट मंत्री अशोक बैरवा ने कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में हालत गंभीर है भयंकर भ्रष्टाचार फैल चुका है। गरीब लोग ऑफिस में काम के लिए चक्कर काट रहे हैं कोई सुनने वाला नहीं है। किसानों को ठगा जा रहा है। किसानों को खाद ब्लैक में बेचा जा रहा है वन विभाग वाले आए दिन किसानों के साथ में मारपीट करते हैं उनके जानवर सुरक्षित नहीं है उनकी खेती सुरक्षित नहीं है जंगली जानवरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं जनमानस एवं पशुओं को जंगली जानवर आए दिन नुकसान पहुंचाते हैं जिनकी सुरक्षा की जाए कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि संगठन सर्वोपरि है कांग्रेस के लोग एकजुट होकर संविधान की रक्षा करें एवं संविधान के बारे में जन जन तक लोगों को जागृत करें भाजपा सरकार संविधान में छेड़छाड़ करना चाहती है संविधान को तोड़ मरोड़ कर उन वंचित लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा जो सदियों से देश की मुख्य धारा से वंचित होता आ रहा है उन गरीब किसान मजदूर छोटे व्यापारी फुटकर धंधा करने वाले लोगों को अपने अधिकारों से

जिला कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर के फैसले के विरोध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा

-प्रेस वार्ताकर सांसद राहुल कस्वा ने स्मार्ट मीटर के नुकसान के बारे में बताया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चूरू जिला कांग्रेस कमेटी ने स्मार्ट मीटर सहित विभिन्न मुद्दो को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके पश्चात चूरू जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा। चूरू कांग्रेस की ओर से आपणी योजना स्थित कलेक्टर कार्यालय के आगे एक जन आक्रोश सभा का आयोजन किया गया। सभा का आयोजन चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में चूरू सांसद राहुल कस्वां के नेतृत्व में किया गया। इसके पश्चात शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में प्रेस वार्ता हुई जिसमें चूरू सांसद राहुल कस्वां, सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल, चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, चूरू जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष संजय दिक्षित, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनिता कपुरिया, सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि प्रदेश में आमजन विरोधी कार्य किए जा रहे है। प्रदेश में भाजपा सरकार स्मार्ट मीटर की जगह स्मार्ट लूट कर रही है। चूरू जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर मांग की है ये स्मार्ट मीटर नही लगाए जाए। प्रदेश में अराजकता का जो माहौल है उस पर अंकुश लगाया जाए। इसके अलावा संविधान में जो प्रावधान है कि पंचायत व निकाय के चुनाव पांच साल में होने चाहिए वो समय सीमा में करवाए जाएं व मनमाने तरीके से परिसीमन नही किया जाए। चूरू जिले में सरकारी भवनों की स्थिति का आंकलन कर जर्जर हालात में जो भवन जिसमें स्कूल, अस्पताल संचालित है, उनको खाली करवाकर अन्य भवनों में शिफट किया जावें सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि प्रदेश में भाजपा के राज में कानून व्यवस्था बिल्कुल चौपट हो गई है

कारगिल विजय दिवस वीर सैनिकों की अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति की याद दिलाता

-पूर्व सैनिक संगठन ने मनाया कारगिल विजय दिवस

मोहम्मद यासीन

सोजत, (रॉयल पत्रिका)। कारगिल विजय दिवस वीर सैनिकों की अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति की याद दिलाता है उक्त उद्गार पूर्व सैनिक संगठन के सचिव हवलदार अशोक सेन ने रामेलाव तलाब स्थित सेन बगेची में कारगिल विजय दिवस पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए उन्होंने कहा कि 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने दुश्मनों को पराजित कर तिरंगे को फिर से ऊंचाइयों पर लहराया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करें संस्था अध्यक्ष पाबू सिंह जैतावत ने कहा कि कारगिल विजय दिवस ये एक ऐसा दिन जो हर भारतीय के दिल में गर्व भर देता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व खेल अधिकारी सत्तू सिंह भाटी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस वीर सैनिकों के बलिदान, साहस और देशभक्ति की मिसाल है। कारगिल युद्ध में हमारे जवानों ने असंभव को संभव कर दिखाया। भारत माता के सभी वीर जवानों के शौर्य व पराक्रम को देश सदैव याद रखेगा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सोजत सकल जैन संघ अध्यक्ष महेंद्र मेहता ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें याद दिलाता है कि देश की रक्षा केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं ये हम सबकी जिम्मेदारी है। वशिष्ठ अतिथि भामाशाह जवरी लाल बोराणा ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें भारत का गौरव बताया। कवि कथाकार डॉक्टर रशीद गोरी ने अपनी वीररस की कविताओं के माध्यम से शहीदों को याद किया। कार्यक्रम का सरस संचालन वरिष्ठ साहित्यकार अब्दुल समद राही ने अपने चिर-परिचित जोशिले अंदाज में किया। इस अवसर पर सार्जेंट नाथू सिंह भाटी, भंवर सिंह, जोग सिंह, रामचंद्र गहलोत, गणपत सिंह, सार्जेंट भूंडाराम, हवलदार कालू सिंह, लक्ष्मीनारायण सेन, दिनेश सोलंकी, अनवर पठान, ठेकेदार रिजवान खताई, ठेकेदार असलम कुरैशी आदि कई पूर्व सैनिक और गणमान्य जन उपस्थित थे।

पंचायती राज क्षतिग्रस्त स्कूलों की शीघ्र मरमत करवाने की मांग

-झालावाड़ घटना की पुनरावृति न हो

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल ने राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जिला प्रभारी मंत्री जाबर सिंह खरा व जिला कलेक्टर पाली को पत्र लिख कर पाली जिले क्षतिग्रस्त विद्यालयो को चयनित कर शीघ्र मरमत करवाने की मांग की। जिला अध्यक्ष जागरवाल ने बताया कि झालावाड़ विद्यालय में स्कूल की छत गिरने से स्कूली बच्चों की दर्दनाक मौत होने से जिले के सभीअभिवाहक अपने बच्चों को लेकर बहुत चिंतित है वो अपने बच्चों की सुरक्षा चाहते है पाली जिले के प्राइमरी मिडिल स्कूलों की स्थिति अच्छी नहीं है पाली जिले में 274 विद्यालय क्षतिग्रस्त है जिसके लिए शिक्षा विभाग ने सरकार से 19 करोड़ की मांग की जा चुकी है मगर सरकार द्वारा कोई बजट नहीं दिया गया। पूर्व में सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के बाद कोई मरमत कार्य अभी तक शिक्षा विभाग ने नहीं करवाया जो कार्य हुआ सर्व शिक्षा के तहत ही हुआ था जिले में काफी पुरानी स्कूलों में बच्चे अध्यन करने में मजबूर है शिक्षा विभाग के मरमत कार्य के लिए उनके पास कोई बजट नहीं है। रोहट के मुकनपुरा स्कूल तालाब की पाल पर जर्जर स्थिति में है कभी भी हादसा हो सकता है।झालावाड़ की घटना से सबक लेते हुए सरकार शीघ्र आदेश कर पाली जिले में क्षतिग्रस्त कमरे विद्यालय को चयनित कर राज्य सरकार व शिक्षा विभाग को भेजे ओर उन विद्यालयों में अतिरिक्त बजट देकर मरमत करवाए। ओर ऐसी घटना होने पर शिक्षकों ही दोषी नहीं माना जाय जिला शिक्षा अधिकारी ओर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ऐसी घटनाओं के पूर्णत जिम्मेदार है जो जानते हुए भी जिला मुख्यालय या सरकार को अवगत नहीं करवाते।

तृतीय जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह सम्पन्न

-सरकारी विद्यालयों के भौतिक विकास में 9 करोड़ 88 लाख रुपये का योगदान देने वाले 467 भामाशाहों 18 ग्राम विकास समितियों तथा 16 गैर सरकारी संगठनों का हुआ सम्मान

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में तृतीय जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को हम्मीर सर्किल स्थित रणथम्भौर मैरिज गार्डन में संपन्न हुआ। समारोह में जिले के सरकारी विद्यालयों में आधारभूत संरचना एवं भौतिक संसाधनों के विकास हेतु योगदान देने वाले भामाशाहों, गैर सरकारी संस्थाओं, ग्राम विकास समितियों और प्रेरकों को मुख्य अतिथि एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने सभी भामाशाहों, प्रेरकों एवं सामाजिक संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी प्रयासों के साथ यदि समाज का सहयोग मिल जाए तो किसी भी व्यवस्था को सशक्त और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर जिले में शिक्षा के क्षेत्र में जो नवाचार हो रहे हैं, वे राज्य और देश के लिए अनुकरणीय हैं। एडीपीसी समग्र शिक्षा दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जिले में अप्रैल, 2022 से "भविष्य की उड़ान" नवाचार कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भामाशाहों द्वारा आर्थिक सहयोग, ग्रामवासियों द्वारा सामूहिक रूप से सरसों की तूड़ी की नीलामी कर प्राप्त राशि को मुख्यमंत्री जन सहभागिता विद्यालय विकास योजना के तहत सरकारी विद्यालयों के खाते में जमा कराया गया। इस राशि पर राज्य सरकार द्वारा 60 प्रतिशत अतिरिक्त सहायता राशि भी प्रदान की गई, जिससे विद्यालयों की इमारत, शौचालय, स्मार्ट क्लास, फर्नीचर, खेल सामग्री एवं अन्य भौतिक संसाधनों का विकास संभव हो सका है। उन्होंने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मृत्युभोज जैसी कुप्रथाओं का त्याग कर, लोग अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में विद्यालयों में कक्षा-कक्ष, प्रयोगशाला, पुस्तकालय आदि का निर्माण करवा रहे हैं तथा विद्यालय हित में भूमि दान कर रहे है। यह न केवल सामाजिक जागरूकता का परिचायक है, बल्कि शिक्षा के प्रति लोगों की संवेदनशीलता और सक्रिय भागीदारी को भी दर्शाता है। आयोजन प्रभारी एवं कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा हेमराज मीना ने जानकारी दी कि समारोह में जिले के 246 सरकारी विद्यालयों के लिए विगत 2 वर्षों में लगभग 9 करोड़ 88 लाख रुपये का आर्थिक योगदान देने वाले 467 भामाशाहों, 15 ग्राम विकास एवं विद्यालय विकास समितियों, 16 गैर सरकारी संगठनों तथा 31 प्रेरकों को सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप सभी को साफा, दुप्पटा पहनाकर, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र किए गए। समारोह में भामाशाहों ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सरकारी विद्यालयों की स्थिति में सुधार होते देख उन्हें संतोष होता है। यह अनुभव उन्हें भविष्य में और अधिक योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। अनेक भामाशाहों के द्वारा सरकारी विद्यालयों के भौतिक विकास विकास हेतु आर्थिक योगदान देने की मंच से घोषणा भी की गई। कार्यक्रम का समापन झालावाड़ जिले के एक सरकारी विद्यालय में हुई दुर्घटना में मृतक विद्यार्थियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक हरकेश लाल मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक देवी लाल, नलिनी फाउंडेशन के राधे गोविंद माथुर, पर्यावरण ब्रांड एम्बेसडर रामावतार मीणा, घुश्मेश्वर मंदिर ट्रस्ट (शिवाड़) के प्रेम प्रकाश शर्मा, अन्य विभागीय अधिकारीगण सहित लगभग 6 सौ से अधिक भामाशाह, प्रेरक और ग्रामीण प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चूरू विधानसभा में मरूस्थलीय जिला के कार्यक्रम के तहत 15 करोड़ की लागत से बनेगी सड़के

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण के प्रयासो से चूरू जिले को मरूस्थलीय जिला घोषित करवाने पर होने वाले लाभ प्राप्त होने लग गये है राज्य सरकार ने बजट 2025-26 के तहत चूरू के मरूस्थलीय जिला होने पर चूरू विधानसभा में 15 करोड़ की लागत से सड़के बनवाने की स्वीकृति जारी की है जिसमें 10 करोड़ की लागत से सड़को पर कारपेट किया जायेगा एवम् 5 करोड़ की लागत से नई सड़को का निर्माण किया जायेगा। इस अवसर पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुऐ कहा कि उन्होने जिले को मरूस्थलीय जिला घोषित कर यहा विकास के कई कार्य करना सुनिश्चित किया। उन्होने कहा कि इन सड़को के निर्माण से आमजन की समस्याओं का समाधान होगा। वही ग्रामीण क्षेत्र के लोगो के आवागमन में सुविधा होगी। उन्होने प्रसन्नता व्यक्त करते हुऐ कहा कि प्रदेश सरकार क्षैत्र के विकास के लिए सकारात्मक कदम उठा रही है। उन्होने विश्वास व्यक्त करते हुऐ कहा कि आने वाले समय में और भी कई विकास कार्य किये जायेगे।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

-राज्यपाल के नाम एक्शन को ज्ञापन

चोमू, (रॉयल पत्रिका)। विद्त निगम की ओर से लगाए जा रहे स्मार्ट बिजली मीटरों के विरोध में शुक्रवार को आरएलपी प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और लोगों ने शहर के मोरीजा रोड स्थित एक्शन कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन दिया लोगों ने बताया कि पारदर्शिता के अभाव में स्मार्ट मीटर आम जनता को आर्थिक रूप से परेशान कर रहे हैं आक्रोशित आरएलपी कार्यकर्ताओं और लोगों ने चोमू चौमू चंदवाजी स्टेट हाईवे मार्ग पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया इससे चोमू से चंदवाजी जाने वाले मार्ग पर राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी हुई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात बहाल करवाया। रामबाबू गोरा पंचायत समिति सदस्य सोहन सबलानिया, गोविंदगढ़ सरपंच महेंद्र शर्मा ,पार्षद महेंद्र कुमावत, विष्णु शर्मा, मोहन निठारवाल,पप्पू बर्रा, बलदेव यादव, लालचंद कुमावत, टिपू खान, सलमान कुरेशी, ओमप्रकाश यादव, इरशाद अली ,शाहबाज खान, मोहसिन शाह, सिंबू यादव, अंकुर सोनी, नितेश मीणा, मानसिंह राजपूत ,सहित कई लोगों धरना प्रदर्शन में शामिल हुए आरएलपी कार्यकर्ताओं ने एक्शन जीएल गुप्ता को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंप कर स्मार्ट मीटर योजना पर रोक लगाने की मांग की है।

अर्चना कुमावत आमेर विधानसभा व मुकेश चोपड़ा सह-प्रभारी नियुक्त

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं के भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार भाजपा जयपुर देहात उत्तर के जिला अध्यक्ष सुरेश बादलीवाल ने जिलाध्यक्ष ने उपाध्यक्ष व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अर्चना कुमावत को आमेर विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया है। इसके साथ ही जिला मंत्री मुकेश चोपड़ा को आमेर विधानसभा के सह-प्रभारी का दायित्व सोपा गया है। संगठन ने विश्वास जाते हैं कि दोनों पदाधिकारी अपने अनुभव, संगठनात्मक , दक्षता और कार्य कुशलता के बल पर पार्टी को आमेर क्षेत्र में मजबूत करने का कार्य करेंगे। अर्चना कम आवत लंबे समय से भाजपा के संगठनात्मक कार्य में सक्रिय रही है। वही मुकेश चोपड़ा भी पार्टी के जैमिनी कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं। और संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं पार्टी कार्यकर्ताओं में इस घोषणा को लेकर उत्साह का वातावरण है।

छान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया मेहनाज पटेल का स्वागत

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले के खंडार विधानसभा क्षेत्र के छाण ग्राम में सवाई माधोपुर भाजपा जिला कार्यकारिणी में सोशल मीडिया सहसंयोजक बनाए जाने पर मेहनाज पटेल का स्वागत सम्मान समारोह व सोशल मीडिया जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में भाजपा छाण ग्राम मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र, बुनियाद, फोटू गुर्जर, रूप सिंह गुर्जर, योगेश गर्ग, अजरूद्दीन, इरफान, शेरखान, महावीर चौधरी, कयाम, बद्री गुर्जर, अकबर, आदि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पटेल को माला पहनाकर कर बधाई दी। पटेल ने अपने संबोधन में छान ग्राम वासियों के प्रेम अपने पन के लिए धन्यवाद दिया व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, केबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार डॉ किरोड़ी लाल मीणा व सवाई माधोपुर भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर व भाजपा प्रदेश महामंत्री, खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल का कार्यकारिणी में शामिल करने पर आभार व्यक्त किया।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कारगिल विजय दिवस पर वीरगति स्मारक पर वीरों को अर्पित की श्रद्धांजलि

-एएसपी लोकेन्द्र दादरवाल सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि व नागरिक रहे मौजूद

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शनिवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित वीरगति स्मारक पर पुष्प अर्पित कर सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धाजंलि दी। इस अवसर पर जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारे देश के वीर जवानों की शौर्यगाथा का प्रतीक है। यह दिन हमें न केवल उनके बलिदान को स्मरण करने का अवसर देता है, बल्कि हमें राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कहा कि चूरू जिले की धरती वीरता और देशप्रेम की मिसाल रही है। यहां के वीरों ने अपने साहस, राष्ट्रसेवा की भावना और पराक्रम से भारत का गौरव बढ़ाया है। हम हमारे वीरों के बलिदान के प्रति सच्ची श्रद्धा रखते हुए देशप्रेम व भाईचारे के साथ आगे बढ़ें और सामाजिक व राष्ट्रीय उन्नति की ओर अग्रसर हों। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर कारगिल युद्ध व विभिन्न ऑपरेशन के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान एएसपी लोकेन्द्र दादरवाल, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, पूर्व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन(नेवी) कंवर दलीप सिंह, ओम सारस्वत, ईसीएचएस प्रभारी कर्नल सुरेन्द्र शर्मा, नरेन्द्र सिंह राठौड़, सुबेदार सुभाषचन्द्र, सुबेदार गुमान सिंह शेखावत, मो याकूब, दलीप कुमार, जगदेव गोयल, महेश कुमार, गोविन्द सिंह, विशाल सिंह, कपिल कुमार सहित नागरिकों ने पुष्प चक्र व पुष्प मालाएं अर्पित कर वीरों को नमन किया।

एजुकेशन अवॉर्ड एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

शब्बीर हुसैन

बांरा, (रॉयल पत्रिका। मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के तत्वावधान में मिसाइल मैन भारत रत्न से सम्मानित पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे.अब्दुल कलाम साहब की पुण्यतिथि पर ए.पी.जे.अब्दुल कलाम सामूदायिक भवन मे एजूकेशन अवार्ड व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर श्रद्धांजली दी गई। समारोह के कन्वीनर कन्हैया लाल चित्तोडा व शैलेन्द्र गोयल ने बताया कि प्रोग्राम का आगाज़ सरस्वती पूजा अर्चना व तिलावत ए कुरआन की आयतों से की गई। संस्थान अध्यक्ष शेख बहादुर ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि नगर परिषद के पूर्व सभापति कैलाश शर्मा, विशिष्ट अतिथि बांरा व्यापार महासंघ के के संरक्षक ललित मोहन खण्डेलवाल, प्रशासनिक अधिकारी रविन्द्र सिंह ठेनुआ, वक्फ कमेटी चैयरमैन इरफान अंसारी, महिला बाल विकास अधिकारी कुसुम लता जैन, जिला हज कमेटी के पूर्व चैयरमैन हाजी लियाकत अली मेव, डॉक्टर रुपचन्द्र मीणा का संस्थान के शेख बहादुर, नवीन गर्ग विनायक, कन्हैया लाल चित्तोडा, शैलेन्द्र गोयल, अब्दुल वहीद मुन्ना मास्टर, डॉ हाजी अब्दुल

रशीद, नीतू गुप्ता, फरीदा शेख, हेमलता सोन, आरजू अंसारी ने माला पहनाकर स्वागत किया। समस्त अतिथियों ने पूर्व राष्ट्रपति की जीवनी पर रोशनी डालते हुए कहा कि अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 धनुष कोठी रामेश्वरम तमिलनाडु मे हुआ था उनका पूरा नाम अब्दुल पाकिर जैनुल आबदीन अब्दुल कलाम था। उनकी उपलब्धियों को देख कर अनेक विकसित एवं सम्पन्न देशो मे मनचाहे वेतन पर अपने यहां बुलाना चाहा, लेकिन उन्होंने अपने भारत देश में रहकर काम करने का निर्णय लिया, चार दशक तक उन्होंने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन मे विभिन्न पदों पर रह कर काम किया, वह 2002 मे भारत के 11वे राष्ट्रपति बने। डॉक्टर कलाम की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह राष्ट्रपति बनने के बाद आडम्बरों से दूर रहे वह जहां पर जाते छात्रों से अवश्य मिलते थे, तथा देश भक्त नागरिक बनने की शपथ अवश्य दिलाते, उनके राष्ट्रपति कार्यकाल में परीजन जब दिल्ली आये तो उनके भोजन आवास की व्यवस्था भ्रमण आदि का व्यय अपनी जैब से किया. उन्होंने राष्ट्रपति भवन में होने वाली इफ्तार पार्टी को बंद कर के उस पैसे से भोजन सामग्री अनाथालय मे भिजवाई। 27 जुलाई 2015 को वह अचानक इस दुनिया को अलविदा कह गए थे। समारोह में दो मिनट का मोन रख कर अब्दुल कलाम ओर पीपलोदी स्कूल के मासूम बच्चों को भी खिराज-ए-अकीदत पैश की।

कृषि एवं उद्यानिकी आयुक्त ने किया प्रगतिशील कृषकों की उन्नत खेती का निरीक्षण

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में उन्नत कृषि तकनीकों के विस्तार, नवाचारों को बढ़ावा देने एवं प्रगतिशील कृषकों की प्रेरणादायक पहल का प्रत्यक्ष अवलोकन करने के उद्देश्य से राजस्थान राज्य के कृषि एवं उद्यानिकी आयुक्त चिन्मय गोपाल ने आज चित्तौड़गढ़ जिले के विभिन्न कृषकों के खेतों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आधुनिक तकनीकों से की जा रही खेती, विविध फसलों के संयोजन और कृषि आधारित इकाइयों का गहन निरीक्षण कर संबंधित कृषकों की सराहना की।

जयसिंहपुरा में सीताफल की 12 किस्में, पालीहाउस व वर्मी कम्पोस्ट का निरीक्षण

गोपाल ने अपने दौरे की शुरुआत ग्राम जयसिंहपुरा निवासी प्रगतिशील कृषक नंदलाल धाकड़ के कृषि फार्म से की, जहां उन्होंने सीताफल के बगीचे की 12 विभिन्न किस्मों का निरीक्षण किया। कृषक द्वारा सीताफल की उन्नत प्रजातियों के परीक्षण एवं उत्पादन की जानकारी दी गई। इसके पश्चात आयुक्त ने फार्म में स्थित पालीहाउस में उगाए जा रहे बंगाली पान, नर्सरी, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, एवं गोबर गैस संयंत्र का अवलोकन किया। आयुक्त गोपाल ने कृषक नंदलाल से सभी नवाचारों की विस्तार से जानकारी

ली एवं उनकी इस बहु-आयामी कृषि प्रणाली की प्रशंसा करते हुए निर्देश दिए कि ऐसे प्रयासों को अन्य कृषकों तक पहुंचाया जाए, जिससे वे भी तकनीकी रूप से समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बन सकें।

श्रीपूरा ग्राम में बहुविध फसलों की खेती ने खींचा ध्यान

इसके उपरांत आयुक्त गोपाल ने कनेरा के समीप ग्राम श्रीपूरा में प्रगतिशील कृषक नेमीचंद धाकड़ के फार्म का निरीक्षण किया। इस फार्म पर उन्होंने सीताफल, आम, अमरूद के बगीचे, सफेद मूसली की खेती, स्ट्रॉबेरी की नर्सरी, सीताफल एवं आम की नर्सरी, धनिया और टमाटर की खेती का अवलोकन किया। उन्होंने जैविक विधियों से की जा रही खेती, जल प्रबंधन और उत्पादन पद्धति की जानकारी लेकर इसे कृषि नवाचार का मॉडल बताया। आयुक्त ने नेमीचंद धाकड़ की जैविक और मिश्रित खेती के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे किसान प्रदेश में आधुनिक एवं लाभकारी खेती की मिसाल हैं, जिनके प्रयास अन्य किसानों को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ निरीक्षण

इस निरीक्षण दौरे के दौरान कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के इंद्र कुमार संचेती – अतिरिक्त निदेशक, दिनेश कुमार जागा – संयुक्त निदेशक, महेश चंद्र चेजारा – संयुक्त निदेशक, उद्यान, डॉ. शंकरलाल जाट –उपनिदेशक, उद्यान, प्रेमचंद वर्मा – परियोजना निदेशक, आत्मा, डॉ. राजेन्द्र कुमार सामोता – उपनिदेशक योजना, कृषि आयुक्तालय, लक्ष्मी कुवंर राठौड़ – उपनिदेशक, रमेशचंद्र आमेंटा – कृषि अनुसंधान अधिकारी, अंशु चौधरी एवं सुनीता डीडवानिया – सहायक निदेशक, गोपाललाल शर्मा – कृषि अधिकारी प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे।

132 केवी मण्डेला–चांदगोठी ट्रांसमिशन लाइन का कार्य पूर्ण

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। जिले में विद्त आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। 132 केवी मण्डेला–चांदगोठी ट्रांसमिशन लाइन का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह कार्य एईएन अनिल कटेवा एवं जेईएन संदीप न्यौला के सुपरविज़न में लगभग 8 माह के अथक परिश्रम के बाद सम्पन्न हुआ। इस लाइन के चालू होने से अब 132 केवी जीएसएस चांदगोठी से लेकर 132 केवी जीएसएस मण्डेला तक विद्त प्रवाह शुरू कर दिया गया है। इसका सीधा लाभ यह होगा कि अब दोनों ही ग्रिड स्टेशन (GSS) — मण्डेला और चांदगोठी — को दोहरी दिशा से विद्त आपूर्ति प्राप्त हो सकेगी, जिससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति और अधिक स्थिर और विश्वसनीय बनेगी।

सुरक्षा की अपील

इस नई ट्रांसमिशन लाइन में विद्त प्रवाह चालू कर दिया गया है। अतः सभी आमजन से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा हेतु इस लाइन से उचित दूरी बनाए रखें। यह लाइन अब पूरी तरह से चार्ज हो चुकी है और किसी भी प्रकार का संपर्क या निकटता जानलेवा हो सकता है।

क्षेत्रीय विकास को मिलेगा बल

इस ट्रांसमिशन लाइन के क्रियाशील हो जाने से न केवल मंडेला एवं चांदगोठी क्षेत्र को बेहतर बिजली आपूर्ति मिलेगी, बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी लोड शेडिंग की समस्या में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त औद्योगिक, कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को भी अब अधिक स्थिर और निर्बाध विद्त सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

पेंशनरो की समस्या समाधान के लिए शिविर हुआ आयोजित

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग, कोटा की ओर से शुक्रवार को बूंदी जिले के सेवानिवृत्त पेंशनरों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक दिवसीय पेंशनर्स समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिला कोषालय में आयोजित इस शिविर में पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग, कोटा के अतिरिक्त निदेशक दिनेश शर्मा की उपस्थिति में पेंशनरों की समस्याओं को सुना गया और उनका मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पेंशनरों ने भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 36 परिवेदनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश का समाधान तत्काल कर दिया गया। इसके अतिरिक्त, 61 पारिवारिक पेंशनरों के जन्म तिथि से संबंधित पुराने डेटा को अद्यतन किया गया तथा 8 प्री-2016 के लंबित प्रकरणों का भी सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। शिविर में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने पेंशनरों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना और उनके त्वरित निराकरण में सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर के समापन पर अतिरिक्त निदेशक दिनेश शर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनर्स समाज के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। शिविर में लाभान्वित हुए पेंशनरों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन भविष्य में भी होने चाहिए ताकि उनकी समस्याओं का समय पर समाधान हो सकें। उन्होंने इस नवाचार के लिए विभाग को धन्यवाद दिया। इस दौरान कोषाधिकारी (पेंशन) चित्रा सिंह, सहायक लेखाधिकारी विरेन्द्र गुप्ता तथा बूंदी पेंशनर्स समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

पिपलोदी स्कूल दुखांतिका पर मदरसा अंजुमन इस्लामियां में 2 मिनट का मौन रखा

-मृतक बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की

बारां, (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिले के मनोहरथाना तहसील के पिपलोदी गांव में जर्जर स्कूल की छत गिरने से 7 बच्चों की दर्दनाक मौत ओर 20 से ज्यादा स्कूली बच्चे घायल हो गए हैं। शुक्रवार को हुई इस भीषण त्रासदी से जिले सहित राज्य ओर पूरे देश में मृतक बच्चों के प्रति गहरी संवेदना है। प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी ने बताया कि मोहम्मद अशफाक भाईजान मेमोरियल मदरसा अंजुमन इस्लामियां सीनियर सेकेंडरी स्कूल बारां में भी मदरसा कमेटी के पदाधिकारियों मदरसे की बच्चियों ओर अध्यापकों द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर शहीद हुए

बच्चों के हक में दुआएं मगफिरत की गई। अंजुमन सदर माजिद सलीम, नायब सदर जाकिर मंसूरी ने बताया कि इस तरह की भयावह घटना से सभी को गहरा आघात पहुंचा है। ईश्वर से सभी बच्चों की मगफिरत की दुआ करते हैं। इस दौरान प्रिंसिपल सादिक हुसैन, वाईस प्रिंसिपल मोहम्मद आबिद देशवाली, इरफान मंसूरी, नासिर खान बंटी, अनवर हाशमी, मोहम्मद हुसैन, सहित मदरसे का स्टॉफ मौजूद रहा।

इंस्टाग्राम पर युवती की आपत्तिजनक फोटो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

-चौमूं थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं थाना पुलिस ने एक साइबर अपराध मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई निवासी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने इंस्टाग्राम पर एक युवती की आपत्तिजनक फोटो वायरल की थी।

यह कार्रवाई चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में की गई।

पीड़िता युवती की ओर से थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी, जिसमें बताया गया कि इंस्टाग्राम पर किसी अनजान अकाउंट से उसकी निजी और अश्लील फोटो वायरल की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस ने साइबर सेल की मदद से इंस्टाग्राम अकाउंट की जानकारी जुटाई और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की लोकेशन ट्रेस की। चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम ने मुंबई पहुंचकर आरोपी शनी बचकन सिंह (34) पुत्र निवासी मुंबई को गिरफ्तार किया। खास बात यह रही कि आरोपी ने जिस मोबाइल नंबर से इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया था, वह सिम उसने किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर फर्जी तरीके से प्राप्त की थी, जिससे पुलिस को शुरुआत में आरोपी तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। चौमूं थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि उसके पास पीड़िता की फोटो कहां से आई और क्या इसके पीछे कोई गिरोह भी सक्रिय है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में साइबर अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

फ्लैगशिप योजनाओं एवं विभागीय उपलब्धियों के संबंध में कार्य गुणवत्तापूर्ण व निर्धारित समय सीमा में हों - जिला प्रभारी मंत्री खर्रा

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका) ।जिले के प्रभारी व स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा की अध्यक्षता में आज शनिवार को जिला परिषद सभागार में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण फ्लैगशिप योजनाओं योजनाओं व कार्यों की समीक्षा बैठक ली और अधिकारियों से फीडबैक लेकर आवश्यक निर्देश दिये। प्रभारी मंत्री खर्रा ने कहा कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण निर्धारित समय सीमा में हो व राज्य सरकार व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार कार्य कर आमजन को लाभ दे। उन्होंने समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों योजनाओं व कार्या की प्रगति में बारी बारी से जानकारी ली और बैठक में उन्होंने फ्लगैशिप योजनाओं, कार्यक्रमों, विभाग द्वारा अर्जित उपलब्धियों की क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति के बारे में समीक्षा की। उन्होंने सावर्जनिक निर्माण विभाग की नवीन सड़क निर्माण के बारे में गुणवत्ता पूर्ण निर्माण के निर्देश दिए। साथ ही विद्त विभाग को फ्लैगशीप योजनाओ की समीक्षा करते हुए कुसुम घटक ए, बी व सी के लक्ष्य उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए संसोधित वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत वॉल्टेज समस्याओं के निराकरण व कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त की। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को बारिश के दौरान मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए जा रही आवश्यक गतिविधियों की जानकारी ली व आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की अमृत योजना, बजट घोषणओं की क्रियान्वित के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, कृषि एवं उद्यानिकी, वन, नगर विकास न्यास, नगर निगम, पशुपालन,

रसद, रीको, सहाकारिता, श्रम, सामाजिक न्याय अधिकारिता, जलदाय, जल संसाधन, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, राजस्व इत्यादि विभागों की उपलब्धियों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने पंचायती राज विभाग की मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना की समीक्षा कर बताया पाली जिला राजस्थान में प्रथम स्थान पर रहा, जल संरक्षण के तहत नवीन टांको का निर्माण चरागाहों की तारबंदी करने, वन विभाग, पौधा रोपण कार्यक्रम की समीक्षा कर पौधों को जीवित रखने के लिए दिशा निर्देश प्रदान किए। स्वच्छ भारत मिशन में शहरी के तहत नगर निगम पाली में घर-घर कचरा संग्रहण, कचरा प्रसंस्करण, लेगेसी वेस्ट निस्तारण, तरल अपशिष्ट निस्तारण इत्यादि की समीक्षा करते हुए दिशा निर्देश प्रदान किए। साथ ही जिले की वर्तमान में विभिन योजनाओ व कार्यों के बारे में प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

साथ ही मंत्री खर्रा व प्रभारी सचिव अश्विनी भगत ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत प्लांटेशन, जलदाशयों का निर्माण, पेड़ों की जीयो ट्रेकिंग, छायादार पेड लगाने को कहा। उन्होंने तारबंदी में वृक्षों के बीच धामण घास लगाने का सुझाव दिया। राजीवका में गांव की महिलाओं को एसओपी ड्रोन व सोलर को कैसे रिपेयरिंग क्या जाए उसका परीक्षण दिया जाए।

जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने विभागवार जानकारी देते हुए विभागों की उपलब्धियों विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि नगर निगम यूआईटी व रीको के सहयोग से अतिवृष्टि से होने वाली जलभराव स्थलों से जल निकासी, नालों की साफ सफाई, कलवर्ट निर्माण, नाला निर्माण आदि की जानकारी प्रदान की।

बैठक के अंत में प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री की मंशानुरूप राजस्थान सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ आमजन को ज्यादा से ज्यादा हो इसकी सुनिश्चिता की जाए। उन्होंने हाल ही में हुई विद्यालय दुर्घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने शिक्षा एवं चिकित्साह विभाग सहित सभी अधिकारियों को कार्यलयों की जर्जर भवनों का सर्वे करने को कहा ताकि किसी प्रकार दुर्घटना से जनहानि से बचा जा सके। उन्होंने यूआईटी व नगर निगम को आवश्यक निर्देश दिए। उनहोने बारिश को देखते हुए अगले वर्ष तक किसी तरह का सरकारी व निजी क्षेत्र में अवरोध हो रहा है उसे हटाने के निर्देश दिए। बैठक के पष्चात जिला प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने शहर का भ्रमण कर हालातो का लिया जायजा।

खाद्य विभाग के उपायुक्त ने राशन डीलर्स को डोर-टू-डोर सर्वे कर

-पात्र परिवारों की आधार सीडिंग एवं ई-केवाइसी करने तथा गिव-अप अभियान में दिए निर्देश

जालोर, (रॉयल पत्रिका)। प्रगति की समीक्षा के लिए खाद्य विभाग जयपुर के उपायुक्त (चतुर्थ) चंदीराम जसवानी 21 से 25 जुलाई तक जालोर जिले के दौरे पर रहे। जिले में 21 से 23 जुलाई तक सम्पूर्ण जिले में आयोजित उचित मूल्य दुकानदारों की समीक्षा बैठक के दौरान खाद्य विभाग जयपुर के उपायुक्त (चतुर्थ) चंदीराम जसवानी ने राशन डीलर्स को डोर-टू-डोर सर्वे कर पात्र परिवारों की आधार सीडिंग एवं ई-केवाइसी करने एवं गिव अप अभियान के तहत अपात्र व्यक्तियों को लाभ त्यागने के लिए समझाईश करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि विभागीय नियमानुसार जो लाभार्थी तीन माह में ई-केवाइसी नहीं करवाते है उन्हे खाद्य सुरक्षा से वंचित कर दिया जावेगा। उन्होंने बैरठ, बागरा, उम्मेदाबाद, भवरानी जैसे आधार सीडिंग की कम प्रगति वाले गांवों में उचित मूल्य दुकानादारों को सघन डोर-टू-डोर सर्वे के निर्देश प्रदान किए। जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल ने बताया कि गिव अप अभियान के तहत जिला जालोर में अभी तक कुल 55263 लोग खाद्य सुरक्षा योजना का त्याग कर चुके है। अपात्र परिवारों द्वारा गिव अप अभियान के तहत नियमित रूप से स्वेच्छा से आवेदन किए जा रहे एवं विगत 5 दिवसों में कुल 972 परिवारों द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ त्याग दिया गया है।

मनोहर थाना क्षेत्र में स्कूल की छत गिरने की हृदय विदारक घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग

-वेलफेयर पार्टी ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कोटा, (रॉयल पत्रिका) । शुक्रवार को झालावाड़ के मनोहर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को स्कूल की छत गिरने से हुई 7 मासूम बच्चों के मृत्यु की हृदय विदारक घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर वेलफेयर पार्टी ऑफ़ इंडिया कोटा इकाई के एक प्रतिनिधिमंडल ने पार्षद मोहम्मद आसिम की अगुवाई में शनिवार को मुख्यमंत्री के नाम ज़िला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। पार्षद मोहम्मद आसिम ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही, पीड़ित परिवारों को उचित मुआवज़े तथा लगातार प्रदेश के कई स्कूलों के जर्जर भवनों की जानकारी व शिकायत के बाद भी शिक्षामंत्री मदन दिलावर द्वारा

इस मामले पर ध्यान नहीं देने के कारण इस घटना की ज़िम्मेदारी लेते हुए नैतिकता के आधार पर शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफ़ा लेने की मुख्यमंत्री से मांग की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में ज़िला उपाध्यक्ष अशफाक़ अंसारी, शाहिद कुरैशी,ज़ाहिद हुसैन, वाहिद हुसैन व सुल्तान शामिल रहे।

जमीनी स्तर पर की जा रही तैयारी का निरीक्षण बेहद जरूरी - मुख्य निर्वाचन अधिकारी

शब्बीर हुसैन

बारां/जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जल्द ही विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाने वाला है। 2002 के पश्चात 2025 में यह अभियान चलाया जाएगा जिसका मुख्य उद्देश्य कोई भी पात्र मतदाता सूची में आने से वंचित न रह जाए है। इस अहम उद्देश्य की पूर्ति के लिए राज्य के निर्वाचन विभाग में तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। सभी संभागों के संभागीय आयुक्त, सभी 41 जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं 200 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ तैयारी को लेकर गहन चर्चा की जा चुकी है। राज्य स्तर पर 271 मास्टर ट्रेनर्स को भी प्रशिक्षित किया जा चुका है। ये मास्टर ट्रेनर 28 जुलाई से जिला एवं विधानसभा स्तर पर बूथ स्तरीय अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण प्रारंभ करेंगे।

नवीन महाजन के अनुसार किसी भी अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके लिए पूर्व में ही कितनी सशक्त तैयारी कर ली गई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण, जनसंपर्क, निगरानी और दस्तावेज संकलन की प्रक्रिया को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित करने के लिए तैयारियों का जायजा लेने हेतु निर्देशित किया गया है। इस हेतु जमीनी स्तर पर की जा रही तैयारी का जायजा लेने के लिए आज निर्वाचन विभाग के विशेषाधिकारी सुरेश चंद्र एवं उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी सोमदत्त दीक्षित बस्सी विधानसभा पहुंचे । उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष श्रीवास्तव भी उनके साथ रहे । इन सभी ने मिलकर बस्सी , बगरू, विद्याधर नगर एवं हवा महल विधानसभाओं के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं उप निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा की जा रही तैयारी का जायजा लिया। निर्वाचन विभाग विशेषाधिकारी ने इस अभियान के दौरान हाउस टू हाउस सर्वेक्षण के तहत लिए जाने वाले दस्तावेजों एवं प्रक्रियागत सावधानियों का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बस्सी द्वारा 12 00 से अधिक मतदाताओं की संख्या वाले बूथ के रेशनलाइजेशन पर विस्तार से अपनी तैयारी के बारे में बताया। दीक्षित ने हेल्प डेस्क लगाए जाने वाले स्थान का भी निरीक्षण किया जिससे मतदाताओं को कोई भी समस्या आने पर सही जानकारी आसानी से उपलब्ध कराई जा सके।

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड तृतीय संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2024

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा रविवार 27 जुलाई को प्रातः 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक एवं अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे तक दो पारियों में आयोजित होने वाली पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड तृतीय संयुक्त सीधी भर्ती-2024 के सफल, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण आयोजन के लिए परीक्षा से पूर्व की तैयारियों के संबंध में जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में शुक्रवार को बैठक आयोजित हुई। इस बैठक के माध्यम से समस्त केंद्राधीक्षक, पर्यवेक्षक, सहायक केंद्राधीक्षक एवं उपसमन्वयक दलों को प्रशिक्षण दिया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं नोडल परीक्षा वन्दना खोरवाल ने परीक्षा आयोजन के सम्बन्ध में की गई तैयारियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण में जिला कलक्टर लोक बन्धु के द्वारा परीक्षा में परीक्षार्थियों के प्रवेश के समय उचित एचएचएमडी के माध्यम से फ्रिस्किंग किए जाने एवं अभ्यर्थियों की मूल पहचान पत्र से प्रवेश देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर मोबाइल फोन पूर्णतया वर्जित रहेगा। परीक्षा केन्द्र में नियोजित होने वाले स्टाफ आदि के मोबाईल को स्वीच ऑफ करके अलमारी में सील करके रखा जाएगा। अभ्यर्थियों को प्रवेश मूल आधार कार्ड एवं प्रवेश पत्र से मिलान के आधार पर समुचित जांच कर दिया जाएगा। परीक्षा समाप्ति से पूर्व किसी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र छोड़ने की अनुमति नहीं दिए बाबत निर्देशित किया।

वॉर 2 का ट्रेलर रिलीज, ऋतिक और जूनियर एनटीआर के बीच दिखी टक्कर

मुंबई। दर्शकों का इंतजार खत्म हुआ और ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज हो गया। ट्रेलर ऋतिक और जूनियर एनटीआर के बीच जबरदस्त क्लैश देखने को मिली, जो ये सबूत देती है कि फिल्म में दोनों के बीच हाई लेवल एक्शन देखने को मिलेगा। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही अब सोशल मीडिया पर भी छा गया है। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित 'वॉर 2' स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर की शुरुआत होती है ऋतिक रोशन के वॉइस ओवर और उनके इंटेंस लुक के साथ। चेहरे पर हल्का सा खून लगे ऋतिक एक भेड़िये के साथ नजर आते हैं। साथ में उनका वॉइस ओवर है जिसमें वो अपनी शपथ को दोहराते हैं। इसमें ऋतिक कहते हैं 'मैं शपथ लेता हूं कि मैं अपना नाम, अपनी पहचान, अपना घर-परिवार सब त्यागकर एक गुमनाम, बेनाम अनजान साया बन जाऊंगा।' इसके बाद दिखते हैं जूनियर एनटीआर और इसी तरह की एक शपथ जूनियर एनटीआर भी दोहराते हैं।

लाइफ Style

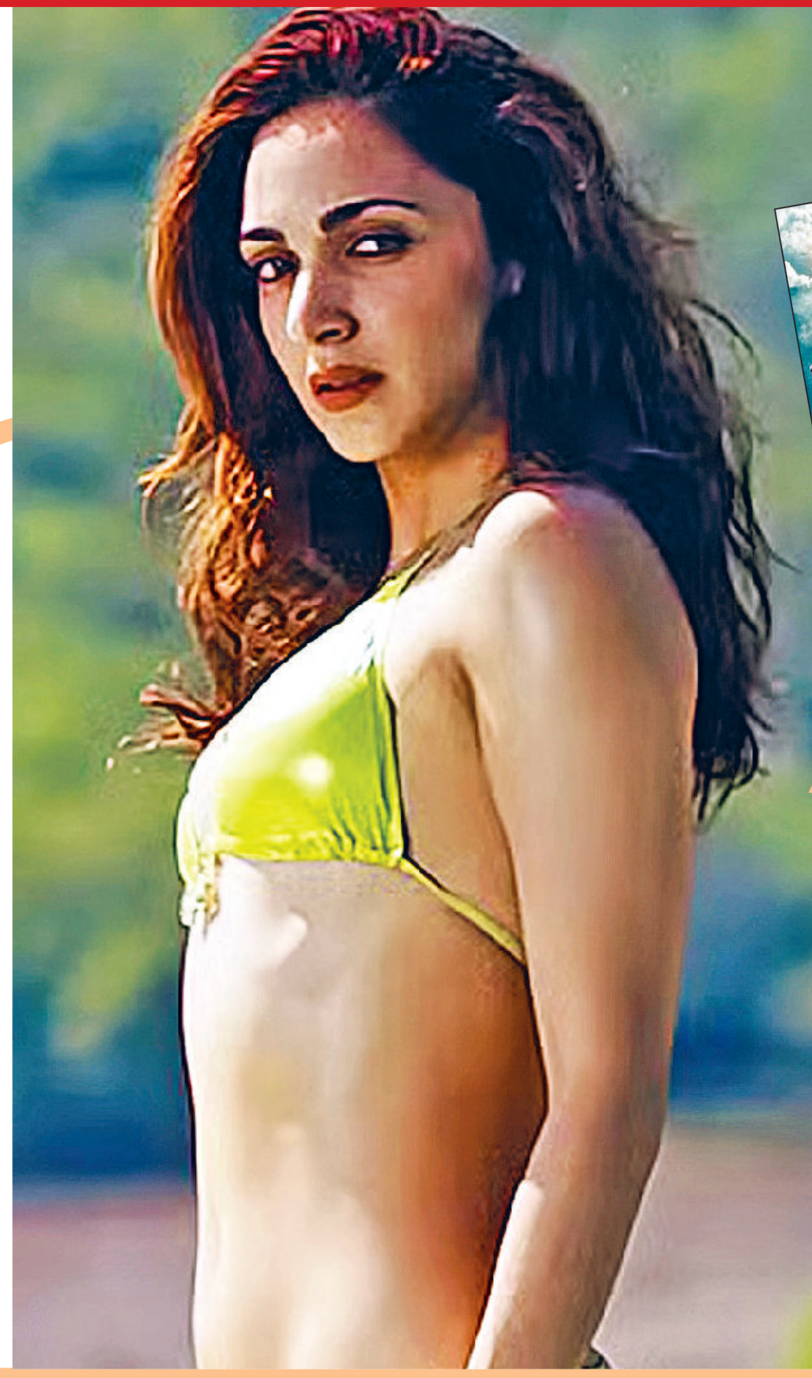

किआरा

बिकिनी अवतार में फिर मचाई धूम

किआरा आडवाणी की झलक पहले ही 'वॉर 2' के टीजर में दिखाई जा चुकी है। कुछ सैकेंड्स की किआरा की झलक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। वहीं शुक्रवार को वॉर 2 के ट्रेलर में उनका बिकिनी लुक एक बार फिर से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस साल की शुरुआत में जब वॉर 2 का टीजर रिलीज हुआ, तो किआरा आडवाणी के शानदार लुक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया।

एजेंसी ⏭ मुंबई

शुक्रवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने पर प्रशंसकों ने किआरा के दमदार अवतार की जमकर तारीफ की। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ-साथ किआरा के एक्शन सीन और आकर्षक लुक ने सबका ध्यान खींचा। हाल ही में मां बनीं किआरा वॉर 2 के ट्रेलर में बिकिनी में अपनी टोन्ड बॉडी और आत्मविश्वास के साथ नजर आईं। उनका यह लुक प्रशंसकों को बहुत पसंद आया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके स्क्रीनशॉट वायरल हो गए।

कुछ लोग उन्हें 'सबसे हॉट' बता रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि उनका एक्शन से भरा किरदार सभी को हैरान कर देगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फैशन स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अदजानिया ने किआरा का लुक डिजाइन किया है। उन्होंने बताया कि किआरा का बिकिनी लुक एक खास रंग में है - न हरा, न पीला, बल्कि इनके बीच का एक अनोखा रंग जो सभी को आकर्षित करता है। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी वार यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है, जो 2019 की सुपरहिट फिल्म वॉर की अगली कड़ी है। यह एक एक्शन फिल्म है। फिल्म की रिलीज को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। । ट्रेलर में किआरा आडवाणी भी जबरदस्त एक्शन करती नजर आई हैं। बंदूक चलाने से लेकर फाइट करने तक किआरा का दमदार अंदाज देखने को मिला है।

हॉलीवुड मसाला

भारत में ये फिल्म 17 हफ्ते रही हाउसफुल

नई दिल्ली। 31 साल पहले जब स्टीवन स्पीलबर्ग की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जुरासिक पार्क' भारत में रिलीज हुई, तो इसने दर्शकों के बीच ऐसा जादू बिखेरा कि सिनेमाघरों में हाउसफुल का रिकॉर्ड टूट गया। साल 1994 में मुंबई के स्टर्लिंग थिएटर में इस फिल्म की रिलीज के दौरान लंबी-लंबी कतारें देखी गईं, जो वीटी स्टेशन तक फैली हुई थीं। यह फिल्म लगातार 17 हफ्तों तक हाउसफुल रही और कुल 25 हफ्तों तक सिनेमाघरों में चलती रही। जुरासिक पार्क की इस शानदार सफलता ने न केवल भारत में हॉलीवुड फिल्मों की लोकप्रियता को बढ़ावा दिया, बल्कि यह यूनिवर्सल पिक्चर्स की भारत के साथ पहली बड़ी साझेदारी भी थी।

हैली बीबर को हुआ था मौत के करीब होने का एहसास

लॉस एंजिल्स। देश-दुनिया में अपने गानों और पर्सनल लाइफ के लिए फेमस जस्टिन बीबर की वाइफ हैली बीबर ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। दोनों के घर पिछले साल बेटे का जन्म हुआ था। उसका नाम जैक ब्लूज रखा था। अब हैली ने बताया कि कैसे बेटे की डिलीवरी उनके लिए मौत के करीब का अनुभव था। उनका एम्नियोटिक फ्लूड ड्यू डेट से पहले ही लीक हो गया था और बेटे को जन्म देने के बाद भी लगातार ब्लीडिंग हो रही थी। हैली बीबर ने बताया कि समय से पहले एम्नियोटिक फ्लूड लीक होने के बाद उन्हें डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर ने ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल करके प्रसव पीड़ा करने का फैसला किया। उन्होंने ये भी बताया कि डॉक्टर्स ने एक 'फोली बैलून' एक कैथेटर जैसी डिवाइस उनके यूट्रस में डाल दी और गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) को फैलाने के लिए उसमें सलाइन का घोल भर दिया। सर्विक्स गर्भाशय का निचला हिस्सा होता है, जो योनि से जुड़ता है और डिलीवरी के दौरान बच्चे के बाहर निकलने का रास्ता होता है। हैली ने उस दर्दनाक पलों को याद करते हुए कहा, 'ये मेरी लाइफ की सबसे दर्दनाक घटना थी।

इब्राहिम और काजोल की अदाकारी ने जीता दिल

मुंबई। बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री काजोल, साउथ के अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन और इब्राहिम अली खान की अदाकारी वाली फिल्म सरजमीं 25 जुलाई को रिलीज हो गई है। फिल्म कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित है। एक्शन थ्रिलर फिल्म में देशभक्ति भी दिखाई गई है। फिल्म को देखने के बाद कई दर्शक इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने लिखा 'सरजमीं ने मुझे रुला दिया। फिल्म ने जो संदेश दिया है, इसके लिए उसकी तारीफ की जानी चाहिए। काजोल का अंत का खास दृश्य सिनेमा हॉल की सीटियों और जयकारों का हकदार है। इस किरदार को निभाने के लिए शुक्रिया। आपने एक बार फिर साबित कर दिया कि भावनाओं और गुस्से से भरी भूमिका में आप कमाल कर देती हैं। एक और दर्शक ने फिल्म में काजोल की तारीफ की है।

भारतीय जोड़ों की जिंदगी से जुड़ी है कहानी

मुंबई। विजय सेतुपति और नित्या मेनन की फिल्म 'थलाइवन थलाइवी' शुक्रवार 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म को देख कर दर्शक एक्स पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने फिल्म की जमकर तारीफ की है। उन्होंने एक्स पर लिखा है 'थलाइवन थलाइवी फिल्म कुछ ही सिनेमाघरों में क्यों लगाई गई है? भारतीय जोड़ों को यह फिल्म बहुत पसंद आएगी। यह उनकी जिंदगी से जुड़ी है।' एक एक्स यूजर ने फिल्म में विजय सेतुपति की तारीफ करते हुए लिखा है 'विजय सेतुपति ने हमें मर्दाना रूढ़ियों के बजाय भरोसेमंद नायक दिया है। थलाइवन थलाइवी में उन्होंने ऐसा ही किरदार निभाया है।' एक और सोशल मीडिया यूजर ने लिखा है 'थलाइवन थलाइवी पारिवारिक दर्शकों के लिए बहुत अच्छी फिल्म है।

टीवी मसाला

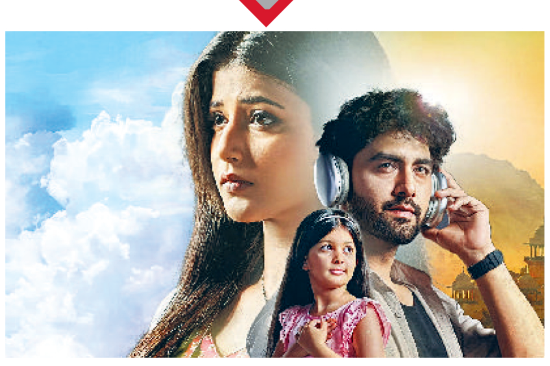

टीआरपी लिस्ट में ये रिश्ता क्या कहलाता है ने मारी बाजी

नई दिल्ली। पिछले कुछ हफ्तों से टॉप पोजिशन पर तारक मेहता का उल्टा चश्मा बना हुआ था, लेकिन इस हफ्ते ये रिश्ता क्या कहलाता है ने मारी बाजी है। वहीं, रुपाली गांगुली का पॉपुलर सीरियल तमाम ट्विस्ट के बावजूद पिछड़ रहा है। वह फिर से टॉप पोजिशन हासिल नहीं कर पा रहा है। 28वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में ये रिश्ता क्या कहलाता है ने टॉप पोजिशन हासिल की है। इसकी टीआरपी 2.1 की रही है। वहीं, रुपाली गांगुली का सीरियल अनुपमा 2.1 की ही टीआरपी के साथ दूसरे नंबर है। सीरियल अनुपमा में कई ट्विस्ट आ रहे हैं, मगर सीरियल पहले की तरह टॉप पोजिशन हासिल नहीं कर पा रहा है। पिछले कुछ हफ्तों से सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा टीआरपी लिस्ट में टॉप पर बना हुआ था। मगर इस हफ्ते यह टीआरपी लिस्ट में तीसरे स्थान पर है। कुछ दिन पहले इस कॉमिक शो में हॉरर एंगल शामिल किया गया, जिसे दर्शकों को काफी पसंद किया था। यह सीरियल लगभग 17 साल से टीवी पर टेलीकास्ट हो रहा है। इस हफ्ते इसकी टीआरपी 2.1 रही है।

टीवी का वो शो जिसके डायरेक्टर ने हर आर्टिस्ट को दी थी गिफ्ट में कार

नई दिल्ली। 90 के दशक में कई ऐसे टीवी सीरियल्स आए, जिसने लोगों को अपना दीवाना बना दिया। यही नहीं, जब भी लोग इन सीरियल्स के एपिसोड को देखते थे, उनका हंस- हंस कर पेट में दर्द हो जाता था। ऐसे ही एक सीरियल की हम बात कर रहे हैं, जिसके हर किरदार को लोगों ने पसंद किया। लोगों ने इस सीरियल को इस कदर पसंद किया कि डायरेक्टर को एपिसोड की संख्या बढ़ानी पड़ी। बता दें, इस शो के सफल होने पर डायरेक्टर ने अपने हर एक कलाकार को मारुति कार तोहफे में दी थी।

जिस शो की हम बात कर रहे हैं, उसका नाम 'देख भाई देख' था, जो 31 साल पहले 6 मई को आया था। इसमें तीन पीढ़ियों वाले एक परिवार और उनकी परेशानियां को काफी मजेदार अंदाज में दिखाया गया था। उस समय दर्शकों को यह शो काफी पसंद आया था। उस जमाने में जब टीवी शोज पर 13 एपिसोड की सख्त पाबंदी थी. ऐसे में 'देख भाई देख' को 26 एपिसोड के साथ पेश किया गया था, जिसका एक एपिसोड हर हफ्ते दूरदर्शन पर प्रसारित होता था।

तन्वी द ग्रेट के फ्लॉप होने से टूट गए अनुपम

मुंबई। अनुपम खेर तकरीबन 23 साल बाद निर्देशक की कुर्सी पर दोबारा बैठे और तन्वी द ग्रेट नाम की फिल्म लाए। फिल्म को रिलीज हुए अब एक हफ्ते का समय बीत चुका है, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई। यही नहीं लगभग 50 करोड़ रुपए के बजट से बनी यह फिल्म एक हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर 2 करोड़ रुपए की भी कमाई नहीं कर पाई है। अनुपम खेर इस फिल्म में निर्देशक और अभिनेता होने के साथ-साथ प्रोड्यूस भी हैं। ऐसे में फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर सफल न हो पाने से अनुपम खेर निराश है। उनका कहना है कि वो अभी तक एक्टर्स की फीस भी नहीं दे पाए हैं। एक बातचीत में अनुपम खेर ने तन्वी द ग्रेट के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन न कर पाने पर निराशा जताई। निर्देशक-निर्माता ने कहा कि तन्वी ने कोई जबरदस्त कलेक्शन या कुछ भी नहीं दिया है। पिछले 10 साल से सिनेमा बिजनेस की तरह हो गया है। हमें लगता है कि अगर फिल्म की कमाई अच्छी नहीं हुई तो मतलब फिल्म अच्छी नहीं है। मैं भी इस बिजनेस वर्ल्ड का हिस्सा हूं। लेकिन, जब हमने बजट बनाया वो 50 करोड़ के आस-पास हुआ। एक जेंटलमेन थे, जिन्होंने कहा कि वह 50 प्रतिशत देंगे बजट का जो कि एक बड़ा अमाउंट है। सब तैयारी हो गई और फिर शूट से 1 महीने पहले मुझे बताया गया कि वह फिल्म को फाइनेंस नहीं कर पाएंगे। अचानक फाइनेंसर के पीछे हटने से अनुपम को दूसरे स्वतंत्र फाइनेंसर पर निर्भर होना पड़ा। इसको लेकर अनुपम का कहना है कि मैंने भारत के अलावा यूएस में भी अपने कुछ दोस्तों को कॉल किया। हमारी फिल्म के 10 को-प्रोड्यूसर्स थे। यह एक तरह क्राउड फंडिंग है। मैंने उन्हें फिल्म का सिनोप्सिस भेजा और उनका फिल्म से कोई लेना-देना नहीं था। वो सभी बिजनेसमैन हैं और सिर्फ बैंक में काम करते हैं या डॉक्टर्स हैं। मैंने उन्हें कहा कि जब फिल्म रिलीज होगी तब मैं पैसे वापस कर दूंगा।

रिलीज हुई लोककथाओं में लिपटी मर्डर मिस्ट्री

मुंबई। नेटफ्लिक्स पर आई नई माइथोलॉजिकल सस्पेंस थ्रिलर सीरीज मंडला मर्डर आपको सीधे चरणदासपुर गांव की रहस्यमयी गलियों में ले जाती है। ये कहानी है ऐसी जगह की, जहां सदियों पुरानी लोककथाएं, खून से सनी बलि-प्रथाएं और पुलिस की तफ्तीश, सब एक ही धागे में गुथे हुए हैं। आठ एपिसोड की इस सीरीज में आपको 1950 के दशक से लेकर 2025 के मॉडर्न दौर तक टाइम-ट्रैवल पर टाइम-ट्रैवल मिलता है-और हर एपिसोड में एक नया राज सामने आता है।

कहानी : *गांव में एक के बाद एक खौफनाक मर्डर हो रहे हैं, हर बार लाश से कोई न कोई अंग गायब मिलता है। लोकल पुलिस परेशान है। इसी बीच दिल्ली से तेज-तर्रार सीबीआई अफसर रिया (वाणी कपूर) बुलाया जाता है, जो केस को अपने ढंग से सुलझाने की कोशिश करती है। एक सस्पेंडेड पुलिस अफसर विक्रम (वैभव गुप्ता) इसमें रिया की मदद करता है। दोनों जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं, केस और भी खौफनाक मोड़ लेने लगता है।*

अभिनय : सुरवीन चावला ने अपने किरदार में जान डाल दी है। वैभव गुप्ता की आंखों में जो गुस्सा और टूटा हुआपन दिखता है, वो दिल को छूता है। वाणी कपूर ने भी सीबीआई अफसर के रोल में अच्छा काम किया है, बस उनका ट्रैक थोड़ा अधूरा सा लगता है, लेकिन बोर नहीं करता। कहानी थोड़ी अलग है। कैमरा वर्क और लोकेशन्स जैसे कि गांव की गलियां, पुरानी हवेलियां और डरावने जंगल वाकई लाजवाब हैं। सीरीज का लुक एंड फील एकदम ग्रिपिंग है।

कमजोरी : कहानी में इतने पेंच हैं कि कई बार दिमाग चकरा जाता है। असली विलेन कौन है, ये समझते-समझते काफी वक्त लग जाता है। कुछ एपिसोड थोड़े स्लो लग सकते हैं, खासकर अगर आप बिंज-वॉच के मूड में हो तो धैर्य रखना जरूरी है। क्लाइमैक्स की बात करें तो वो थोड़ा हल्का-सा लगता है, मतलब शुरुआत जितनी डरावनी थी, एंडिंग उतनी दमदार नहीं है।

कहानी ने छू लिया था लोगों के दिलों को, झटक लिए थे 49 अवॉर्ड

12 साल पहले सैयारा जैसा ही था इस मूवी का क्रेज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अहान पांडे और अनीत पड्डा की रोमांटिक फिल्म सैयारा का खुमार लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म दनादन नोट छाप रही है। ऐसा ही क्रेज 12 साल पहले एक फिल्म का भी था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर अंधाधुंध कमाई की थी। अवॉर्ड जीतने के मामले में तो इतिहास ही रच दिया था। हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उसका नाम है 'आशिकी 2'। 'आशिकी 2' एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म है, जिसका डायरेक्शन मोहित सूरी ने किया है। इसमें आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर लीड किरदारों में नजर आए थे। यह एक ऐसी लव स्टोरी फिल्म है, जिसकी कहानी ने लोगों के दिलों को छू लिया था।. खास यंगस्टर्स के बीच इसका खूब क्रेज देखने को मिल था।

बजट से सात गुना की थी कमाई

बॉक्स ऑफिस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर की 'आशिकी 2' 15 करोड़ रुपए के बजट में बनी थी। भारत में फिल्म ने 78.64 करोड़ और दुनियाभर में 109 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 7 गुना से ज्यादा कमाई की थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ब्लॉकबस्टर रही। आईएडीबी के मुताबिक, मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी 'आशिकी 2' ने टोटल 49 अवॉर्ड जीते थे। आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर की फिल्म की रेटिंग 10 में से 7.1 है। इसकी कहानी आज भी लोगों के दिलों बसी हुई है।

सुपरहीट हुए थे गाने

जैसा क्रेज इन दिनों अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' का है, वैसे ही क्रेज साल 2013 में 'आशिकी 2' को लेकर भी देखने को मिला था। 'तुम ही हो, सुन रहा है, चाहू मैं या ना, मेरी आशिकी, बुला देना जैसे गाने सुपरहिट हुए थे। 'आशिकी 2' का क्लाइमैक्स बहुत इमोशनल कर देना वाला है।

फिल्म की कहानी

कहानी शुरू होती है राहुल जयकर आदित्य (रॉय कपूर) से, जो एक मशहूर सिंगर है, लेकिन अब शराब की लत के कारण उसका करियर बर्बादी की ओर है। एक दिन वह गोवा में एक छोटे से बार में आरोही (श्रद्धा कपूर) को गाना गाते सुनता है, जो होटल में गाना गाकर अपने परिवार का गुजारा करती है। राहुल उसकी आवाज से इतना प्रभावित होता है कि उसे एक सफल सिंगर बनाने का फैसला कर लेता है। राहुल, आरोही को मुंबई लाता है और उसके कॅरियर को संवारने में पूरी मदद करता है। आरोही की गायकी लोगों को बहुत पसंद आती है और वह धीरे-धीरे स्टार बन जाती है। इस बीच दोनों के बीच प्यार भी गहराने लगता है। हालांकि, राहुल का अपना कॅरियर खत्म हो चुका होता है और उसे यह लगने लगता है कि उसकी मौजूदगी आरोही के लिए बोझ बनती जा रही है। इसके बाद 'आशिकी 2' कहानी बड़ा मोड़ लेती है।

China Open:

सिंधू पर जीत दर्ज करने वाली 17 साल की उन्नति को क्वार्टर फाइनल में मिली हार, यामागुची ने किया बाहर

चांग्झू (चीन), एजेंसी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। भारत की उभरती बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा का चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में शानदार सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान की विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। भारत की उम्मीद अब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी है जो क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यी तेओ का सामना करेगी।

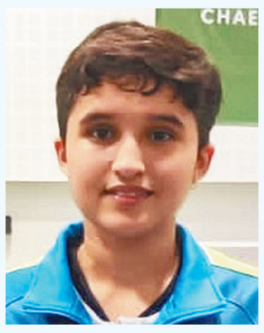

पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गई। उन्नति के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का एकल में अभियान समाप्त हो गया। पहले गेम में हूडा ने यामागुची को बराबर की टक्कर दी लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाई और जापान की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक बनाकर यह गेम अपने नाम कर दिया। इस गेम में हुड्डा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लगातार तीन अंक लेना था। दूसरे गेम में भी यही कहानी दोहराई गई। भारतीय खिलाड़ी ने बीच में थोड़ी देर के लिए चुनौती पेश की और लगातार चार अंक हासिल किए लेकिन यामागुची ने लगातार छह अंक बनाकर दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने बताया टेस्ट में जीतने का तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने मैनचेस्टर टेस्ट और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक भारत के प्रदर्शन का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया है और सुझाव दिया है कि दो-तीन बल्लेबाजों को लंबी पारियां खेलनी चाहिए, जबकि मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को टीम के समग्र प्रदर्शन में और योगदान देना होगा। अब तक शीर्ष क्रम के योगदान पर विचार करते हुए सिंह ने साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और जायसवाल के प्रयासों की सराहना की, लेकिन एक लंबी, मैच-परिभाषित पारी की कमी पर भी ध्यान दिलाया, जो उनके अनुसार टेस्ट मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण है।

सिंह ने कहा, अगर आप सलामी बल्लेबाजों पर गौर करें, तो साई सुदर्शन ने कुछ रन बनाए और चोट के बावजूद ऋषभ पंत ने भी योगदान दिया। यशस्वी ने रन बनाए और कुछ अन्य बल्लेबाजों ने छोटी लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं। लेकिन अगर आपको टेस्ट मैच जीतना है, तो एक या दो खिलाड़ियों को बड़ी और लंबी पारियां खेलनी होंगी।

उन्होंने कहा, पहले टेस्ट मैच में हमने जो गलतियां कीं, वे तीसरे टेस्ट में भी दोहराई गईं। हमें मध्य और निचले क्रम से और योगदान की जरूरत थी। हमने दूसरा टेस्ट मुख्य रूप से शुभमन गिल के बड़े स्कोर की बदौलत जीता। उनकी पारी ने उस जीत को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। बल्लेबाजों को यहां भी जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने ऐसा नहीं किया।

इंग्लैंड में तिलक वर्मा का दूसरा शतक, 15 छक्के-चौके मारे, दिग्गज पाकिस्तानी बॉलर की भी धुनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक वर्मा इस समय इंग्लैंड में खूब रन बना रहे हैं. टीम इंडिया का ये बल्लेबाज अब तक दो शतक ठोक चुका है. इस दौरान उसने खूब चौके और छक्के लगाए हैं. जहां एक तरफ भारतीय टीम इंग्लैड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने में बिजी है तो वहीं तिलक वर्मा इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजों के नाक में दम किए हुए हैं. काउंटी चैंपियनशिप 2025 में हैंपशर की ओर से खेलते हुए तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ के 112 रनों की शानदार पारी खेली, जिसके दम पर हैंपशर ने मैच में जबरदस्त वापसी की है. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज की खूब धुनाई की.

काउंटी चैंपियनशिप 2025 के डिवीजन-1 के 47वें मुकाबले में हैंपशर के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ शानदार बैटिंग की. उन्होंने 256 गेंदों में 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 112 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की गेंदों पर खूब रन बनाए. उनके इस शानदार पारी के दम पर हैंपशर ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 367 रन बना लिए हैं. इससे पहले नॉटिंघमशर ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 578 रन बनाकर घोषित कर दी थी. हैंपशर अभी भी नॉटिंघमशर से 211 रन पीछे हैं. इस मैच में तिलक वर्मा जब बल्लेबाजी करने के लिए उतरे तो उस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 111 रन था. इसके बाद उन्होंने संभल कर खेलना शुरू किया और एक छोर संभाले रखा. दूसरी तरफ 173 के स्कोर पर हैंपशर के चार विकेट गिए गए, लेकिन इसके बाद तिलक वर्मा कप्तान बिन ब्राउन (28 रन) के साथ मिलकर पारी को संभाला.

तिलक ने एक छोर संभाले रखा

तिलक और ब्राउन ने पांचवें विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की. ब्राउन के आउट होने के बाद फेलिक्स ऑर्गन (नाबाद 71 रन) तिलक का साथ देने के लिए आए. दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 126 रन जोड़े. इस दौरान तिलक वर्मा ने इस सीजन में अपना दूसरा शतक पूरा किया. इस दौरान उन्होंने नॉटिघमशर के गेंदबाजों मोहम्मद अब्बास, जॉश टंग, ब्रेट हटन और फरहान अहमद के खिलाफ खूब रन बनाए. इस पहले उन्होंने अपने डेब्यू मैच में शतक ठोका था.

एशिया कपः एक ही ग्रुप में होने की संभावना, एशिया कप 2025 भारत की मेजबानी में यूएई में खेला जाएगा

भारत-पाकिस्तान मैच सितंबर में हो सकता है

ढाका, एजेंसी। यह फोटो चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच की है। पाकिस्तान में हुए इस टूर्नामेंट में भारत के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल में खेले गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला फिर देखने को मिल सकता है। ये मैच एशिया कप 2025 में खेले जाएंगे। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को सौंपी है। टूर्नामेंट सितंबर में यूएई में खेला जाएगा।

यह फैसला गुरुवार को ढाका में आयोजित एसीसी की बैठक में लिया गया, जिसमें सभी 25 सदस्य देशों ने हिस्सा लिया। बीसीसीआई की ओर से उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला वर्चुअली जुड़े। बीसीसीआई के एक अफसर ने बताया कि भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। भारत और पाकने आपसी सहमति से 2027 तक सभी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने का फैसला किया है। ब्रॉडकास्टर्स व स्पॉन्सर्स की मांग को देखते हुए भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जा सकता है। इससे 3 मैच होने की संभावना है। पहला लीग स्टेज में, फिर सुपर सिक्स में भी कम से कम एक मुकाबला हो सकता है। यदि दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो तीसरा मुकाबला भी संभव है।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में फंसी आरसीबी, कर्नाटक सरकार ने दी केस चलाने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब कानूनी पचड़े में बुरी तरह से फंस गई है. टीम की विक्ट्री परेड के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ के मामले में कर्नाटक सरकार ने आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है. सरकार ने यह फैसला जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया है, जिसमें आरसीबी केएससीएऔर आयोजन से जुड़ी डीएनएएंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को घटना का जिम्मेदार बताया गया है.

क्या था मामला?

आरसीबी ने 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल जीतकर इतिहास रचा था. लंबे इंतजार के बाद टीम ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था. अगले ही दिन, यानी 4 जून को आरसीबी टीम बेंगलुरु लौटी और एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक भव्य विक्ट्री परेड और समारोह आयोजित किया गया था. इस इवेंट के दौरान भीड़ पर नियंत्रण नहीं हो पाया. जरूरत से ज्यादा टिकट बांट दिए गए थे जिसके चलते स्टेडियम में क्षमता से अधिक लोग पहुंच गए और अव्यवस्था की वजह से भगदड़ मच गई. इस दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए थे.

जांच आयोग की रिपोर्ट क्या कहती है?

कर्नाटक सरकार ने इस हादसे के बाद 5 जून को रिटायर्ड जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा के नेतृत्व में एक एकल सदस्यीय जांच आयोग बनाया था. यह रिपोर्ट हाल ही में सरकार को सौंपी गई, जिसे 24 जुलाई को कर्नाटक कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया है. भीड़ नियंत्रण के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे.

अब आगे क्या?

कर्नाटक के कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को कहा है कि सरकार ने जस्टिस डीकुन्हा की रिपोर्ट को मंजूरी दे दी है और अब आरसीबी, केएससीए और इवेंट कंपनी पर आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा.

इसके साथ ही, पुलिस और अन्य सरकारी विभागों की भूमिका की भी जांच होगी, क्योंकि आयोग की रिपोर्ट में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही पर भी सवाल उठे हैं. पाटिल ने आगे कहा की इस रिपोर्ट में घटना के लिए जिम्मेदार सभी संस्थाओ और लोगो के नाम दर्ज है और सभी के खिलाफ पुख्ता जांच की जाएगी.

यश दयाल पर रेप का एक और मामला दर्ज, नाबालिगा ने जयपुर में दर्ज करवाई FIR

जयपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आलोचनाओं से घिरे तेज गेंदबाज यश दयाल पर एक और बलात्कार का मामला दर्ज हो गया है। जयपुर पुलिस ने एक नाबालिग से बलात्कार का आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश के 27 वर्षीय क्रिकेटर पर पहले से ही गाजियाबाद की एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने 5 साल के रिश्ते के दौरान उससे शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया।

जयपुर के सांगानेर सदर थाने के अनिल जैमन ने बताया कि ताजा स्नढ्ढक्र बुधवार को दर्ज की गई। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा, यश दयाल के खिलाफ पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम और (भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं के

तहत बलात्कार के लिए एफआईआर दर्ज की गई है। जैमन के अनुसार पीड़िता ने आरोप लगाया है कि खिलाड़ी ने पहली बार 2023 में उसके साथ बलात्कार किया था जब वह 17 साल की थी और इसी साल अप्रैल में सीतापुरा इलाके के एक होटल में भी ऐसा ही हमला हुआ था। एसएसओ ने कहा, उसने आरोप लगाया कि क्रिकेटर ने उसके करियर में मदद और सहयोग का वादा किया था।

उसने इस साल अप्रैल में उससे संपर्क किया जब वह आईपीएल के लिए जयपुर में था और उसे होटल में बुलाया जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ फिर से बलात्कार किया। उन्होंने आगे कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

ऋषभ पंत की इंजरी के बाद ICC कर सकती है नियमों में बदलाव...

सब्स्टीट्यूट प्लेयर करेगा बैटिंग-बॉलिंग!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल ट्रैफर्ड में खेले जा रहे टेस्ट मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को गंभीर चोट लगी. ऋषभ पंत को यह चोट पहले दिन के खेल के दौरान दाएं पैर के अंगूठे में लगी थी, तब वो क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप मारने की कोशिश कर रहे थे. ऋषभ काफी दर्द में दिखे और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा.

हालांकि ऋषभ पंत ने अगले दिन फिर से बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़ने भी कामयाब रहे. हालांकि पंत इस मैच में विकेटकीपिंग करने की हालत में नहीं हैं. ऐसे में उनकी जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल निभा रहे हैं. एक बात गौर करने वाली है कि जुरेल सिर्फ कीपिंग कर सकते हैं, वो आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) के नियमानुसार बल्लेबाजी या गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे.

मौजूदा नियमों के तहत अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए तो उसकी जगह आने वाला सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी सिर्फ फील्डिंग कर सकता है, लेकिन वो खिलाड़ी बैटिंग या बॉलिंग नहीं कर सकता. लेकिन यदि खिलाड़ी को सिर या आंख में चोट लगती है और वो कन्कशन टेस्ट में फेल हो जाता है, तो कन्कशन सब्स्टीट्यूट का इस्तेमाल किया जा सकता है. कन्कशन सब्स्टीट्यूट गेंदबाजी, बल्लेबाजी या फील्डिंग कर सकता है.

ओलम्पिक 2036:

भारत को मिलेगी 2036 ओलंपिक की मेजबानी?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 2036 ओलंपिक की मेजबानी के अधिकार मिलने को लेकर बहुत सकारात्मक है, लेकिन उसे लगता है कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि और भी देश इस दौड़ में शामिल हो रहे हैं।

कतर नवीनतम देश है जिसने खुलासा किया है कि उसने 2036 खेलों की मेजबानी के अधिकारों के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग के साथ बातचीत प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मेजबान देश के चयन से पहले की लंबी प्रक्रिया का पहला कदम है। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि किसे मेजबानी के अधिकार

मिलेंगे, क्योंकि अब भी कई देश इसमें शामिल हो रहे हैं।

भारत ने पिछले साल ओलंपिक की मेजबानी के लिए रुचि पत्र प्रस्तुत किया था और वह आईओसी के भविष्य मेजबान आयोग (एफएचसी) के साथ निरंतर संवाद प्रक्रिया में एक कदम आगे है। अगला कदम लक्षित संवाद प्रक्रिया है जिसके बाद ही एफएचसी आईओसी कांग्रेस को पसंदीदा मेजबान देश की सिफारिश करेगा। उन्होंने कहा कि 2036 ओलंपिक के लिए मेजबान देश का नाम दो साल बाद ही पता चलने की संभावना है क्योंकि आईओसी ने खुद पूरी प्रक्रिया पर 'रोक' लगाने की घोषणा की है। अय्यर ने कहा, हम इस समय आईओसी के साथ निरंतर बातचीत के दौर में हैं। आईओसी के लिए अभी ठहरकर सोचने का समय है क्योंकि उसे अभी नया अध्यक्ष मिला है जो आईओसी में कुछ बदलाव ला रहा है। अगले कुछ वर्षों में हमें पता चल जाएगा कि यह किस दिशा में बढ़ रहा है। वहीं आईओए के कार्यकारी सदस्य हरपाल सिंह ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की बोली के फैसले पर कहा, यह प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रमंडल खेल प्रतिनिधि, टीम प्रबंधन और खेल प्रबंधन पहले सभी संभावित मेजबानों से बातचीत करेंगे जिसके बाद नवंबर के आखिरी हफ्ते में ग्लास्गो में होने वाली आमसभा में मेजबान को चुना जाएगा। कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि 2030 के खेल भारत में आयोजित होंगे।

डब्ल्यूडब्ल्यूई लीजेंड हल्क होगन की मौत कैसे हुई, डॉक्टरों ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। डॉक्टरों ने बताआ है कि सुपरस्टार की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर खुद हल्क होगन के घर पर आए थे, उन्हें तुरंत अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और

दुनिया ने इस लीजेंड को हमेशा के लिए खो दिया था। वैसे कुछ हफ्तों पहले ही ऐसी खबरें चली थीं कि हल्क होगन बेहोश हो गए थे। लेकिन उनती पत्नी स्काई ने उन खबरों का ना सिर्फ खंडन किया था बल्कि उन्होंने इसे अफवाह करार दिया था। उस समय तो उनकी पत्नी ने दो टूक कहा था कि उनके पति का दिल काफी मजबूत है और वे अपनी सर्जरी से उबर रहे हैं।

भावुक हुए फैंस

हल्क होगन का जाना सिर्फ रेसलिंग की दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति नहीं है बल्कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें देखते हुए बड़ी हुई है, जिन्होंने अपने टीवी पर होगन को रेसलिंग करते हुए देखा, उन्हें कितनी बार वर्ल्ड चैंपियन बनते हुए देखा है। सोशल मीडिया इस समय श्रद्धांजलि के मैसेजों से पट चुका है, हर कोई इस दिग्गज को नम आंखों से विदा कर रहा है।

कौन थे हल्क होगन?

हल्क होगन के करियर ती बात करें तो वह 80 के दशक से रेसलिंग की दुनिया में सक्रिय हो चुके थे, फैन्स तो उन्हें रियल लाइफ सुपरहीरो मानने लगे थे। उनका पीले-लाल रंग का कॉस्ट्यूम एक अलग ही पहचान बन चुका था. उन्होंने अपने करियर में इतने मैच जीते कि उन्हें 'हल्कमैनिया' का तमगा भी दिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को सख्त संदेश: आतंक के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा

-करगिल विजय दिवस पर आर्मी चीफ ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली/द्रास । 26 जुलाई को देशभर में कारगिल विजय दिवस मनाया गया, जिस अवसर पर भारतीय सेना के सर्वोच्च अधिकारी और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने करगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। दिल्ली के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर आयोजित समारोह में थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी शामिल हुए। इस अवसर पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र करते हुए पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि "भारत आतंकवाद के समर्थकों और शरण देने वालों को बख्शेगा नहीं। ऑपरेशन सिंदूर आतंक के आकाओं को हमारी तरफ़ से स्पष्ट संदेश था—यदि आप भारत की शांति भंग करेंगे, तो जवाब भारी पड़ेगा।" ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भी था, जो पूरे देश को गहरा घाव दे गया था। इस बार भारत ने हादसे पर शोक तो व्यक्त किया, साथ ही करारा जवाब भी दिया। जनरल द्विवेदी ने ये बातें लद्दाख के द्रास में कारगिल विजय दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा- दुश्मन को जवाब देना अब न्यू नॉर्मल है। कारगिल विजय दिवस के 26 साल पूरे होने पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचे। उनके साथ तीनों सेना प्रमुख भी मौजूद रहे। राजनाथ ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। 5 मई 1999 को पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल की पहाड़ी चोटियों पर जंग हुई थी। युद्ध करीब 84 दिनों तक चला। 26 जुलाई 1999 को भारत की जीत के साथ युद्ध आधिकारिक तौर पर खत्म हुआ। इसमें भारतीय सैनिकों के बलिदान और वीरता को याद करते हुए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है।

भारत ने ऑपरेशन विजय चलाकर कारगिल जंग लड़ी थी

कारगिल की लड़ाई की शुरुआत तब हुई, जब पाकिस्तानी सैनिकों ने कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर चुपचाप कब्जा कर अपने ठिकाने बना लिए थे। 8 मई 1999 को कारगिल की आजम चौकी पर पाकिस्तान के करीब 12 जवानों ने कब्जा कर लिया था। शुरुआत में इसे घुसपैठियों द्वारा किया गया हमला बताया गया था, लेकिन बाद में यह साफ हो गया कि इसमें पाकिस्तानी सेना शामिल थी। इन पाकिस्तानी सैनिकों को एक भारतीय चरवाहे ने देख लिया था। इस चरवाहे ने भारतीय सेना के जवानों को पाकिस्तानी सैनिकों के घुसपैठ की सूचना दी। इस तरह भारत को पहली बार घुसपैठ की जानकारी मिली। पहले भारत समझ रहा था कि थोड़े बहुत आतंकियों ने ही कश्मीर की घाटी पर कब्जा किया है, इसलिए भारत ने चंद सैनिकों को ही इन्हें खदेड़ने के लिए भेजा। जब भारतीय सेना पर अलग-अलग चोटियों से जवाबी हमले हुए तब पता चला कि ये एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। तत्काल भारतीय रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने अपना रूस दौरा रद्द कर दिया। इसके बाद ऑपरेशन विजय लॉन्च किया गया। पाक सैनिक ऊंची पहाड़ियों पर बैठे थे, इस वजह से भारतीय सैनिकों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। भारतीय जवानों ने दुश्मन की नजर से बचने के लिए रात में मुश्किल चढ़ाई की। शुरुआत में भारतीय सेना को इसी वजह से खासा नुकसान उठाना पड़ा था।

भारत ने मिग-29 और मिराज-2000 से हमले किए थे

इस युद्ध में वायुसेना और नौसेना की भी बड़ी भूमिका रही। वायुसेना ने मिग-29 और मिराज- 2000 विमानों के जरिए पाक सैनिकों पर बम बरसाए। इस दौरान पाकिस्तान ने हमारे दो लड़ाकू विमान मार गिराए थे, जबकि एक क्रैश हो गया था। नौसेना ने ऑपरेशन तलवार चलाया। इसके तहत कराची समेत कई पाक बंदरगाहों के रास्ते रोक दिए गए, ताकि वह कारगिल युद्ध के लिए जरूरी तेल और ईंधन की सप्लाई न कर सके। साथ ही भारत ने अरब सागर में अपने जहाजी बेड़े को लाकर पाकिस्तान के समुद्री व्यापार रास्ते को भी बंद कर दिया था। इस युद्ध में एक निर्णायक मोड़ तब आया जब भारत ने बोफोर्स तोपों को भी युद्ध मैदान में उतारने का फैसला लिया। आसमान से वायुसेना का हमला और जमीन से बोफोर्स तोप के भारी-भरकम गोलों ने पाकिस्तानी सैनिकों को भागने पर मजबूर कर दिया। करीब 2 महीने तक दोनों देशों के बीच भीषण युद्ध चलता रहा। इस युद्ध में 527 भारतीय जवान शहीद हुए और पाकिस्तान के भी करीब 3000 सैनिक मारे गए। हालांकि, पाकिस्तान केवल 357 सैनिकों के मरने का ही दावा करता है। आखिरकार 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल के आखिरी चोटी पर भी कब्जा कर लिया।

कारगिल विजय की कहानी: जब अमेरिका ने किया इनकार, इज़राइल बना भारत का सच्चा साथी

कशमीर,(एजेंसी)। 1999 में लड़ी गई कारगिल जंग भारत के सैन्य इतिहास की एक अहम लड़ाई थी। ये युद्ध न केवल बर्फीले दुर्गम पहाड़ों पर हुआ, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर भी एक बड़ी चुनौती थी। पाकिस्तान ने इस युद्ध में नियंत्रण रेखा (LoC) के पार घुसपैठ कर भारतीय चौकियों पर कब्जा कर लिया था। इस कठिन हालात में भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी समर्थन जुटाना पड़ा। इस संघर्ष में जहां अमेरिका से अपेक्षित मदद नहीं मिल सकी, वहीं इज़राइल ने बिना शोर किए भारत की निर्णायक सहायता की। कारगिल में पाकिस्तान की घुसपैठ पर अमेरिका की बयानबाजी कारगिल के इलाकों में जनवरी से अप्रैल 1999 के बीच घुसपैठ हुई। पाकिस्तानी आर्मी LoC के 4 से 10 किमी अंदर आ गई और सर्दियों में खाली पड़ी 130 भारतीय पोस्ट पर कब्जा कर लिया। 3 मई 1999 को पहली बार भारत को इसकी भनक लगी। आधी मई के बाद भारत ने घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिए कारगिल युद्ध की समीक्षा के लिए भारत सरकार की बनाई समिति की 'फ्रॉम सरप्राइज टू रिकनिंग: द कारगिल रिव्यू कमेटी रिपोर्ट' में लिखा है, 'अमेरिका को चिंता थी कि युद्ध दोनों देशों के परमाणु हथियारों की वजह से खतरनाक हो सकता है।' CIA जैसी अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की नजर कारगिल की स्थिति पर थी। मई के आखिर में अमेरिका को शक होने लगा कि घुसपैठ में पाकिस्तानी सेना की भूमिका है। इसके बावजूद अमेरिका सख्त बयान देने के बजाय शांति की अपील करता रहा।

भारत ने सबूत दिए, तब अमेरिका ने पाकिस्तानी साजिश की बात मानी

मई 1999 के आखिरी हफ्ते में भारत ने सैन्य कार्रवाई तेज कर दी थी। भारतीय सेना ने कुछ पाकिस्तानी सैनिकों के दस्तावेज और सबूत हासिल किए, जिनसे यह साबित हुआ कि घुसपैठ के पीछे पाकिस्तानी सेना है। 6 जून 1999 को अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने पाकिस्तानी घुसपैठ की बात मानी और कहा, क्लिंटन का यह बयान बड़ा टर्निंग पॉइंट था। अमेरिका ने पहली बार साफ तौर पर पाकिस्तान को घुसपैठ का जिम्मेदार ठहराया था। 'फ्रॉम सरप्राइज टू रिकनिंग रिपोर्ट' के मुताबिक, भारतीय सेना ने 12 जून की रात कारगिल इलाके में तोलोलिंग की पहाड़ी जैसे अहम ठिकानों पर कब्जा कर लिया।

अमेरिका ने भारत को बम नहीं दिए, GPS देने से भी इनकार किया मई 1999 के आखिर तक भारतीय सेना को जंग में भारी नुकसान उठाना पड़ा था। तोलोलिंग और टाइगर हिल जैसी ऊंची चोटियों पर बैठे पाकिस्तानी सैनिक मशीनगन, मोर्टार और एंटी-एयरक्राफ्ट गन से हमले कर रहे थे। भारतीय सैनिकों को खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ रही थी। ऑक्सीजन की कमी और ठंड ने हालात और मुश्किल कर दिए थे। बोफोर्स तोपें और मौजूदा हथियार कम पड़ रहे थे। इसके अलावा कारगिल का इलाका ऊबड़-खाबड़ और ऊंचा था, जहां सामान्य नक्शों की मदद से हमला करना मुश्किल था। भारतीय वायुसेना ने मिग-21, मिग-27 और मिराज 2000 विमानों का इस्तेमाल तो शुरू कर दिया, लेकिन दुश्मन के बंकरों को नष्ट करने के लिए लेजर-गाइडेड बम और सटीक लोकेशन बताने वाला नेविगेशन सिस्टम भी चाहिए था। उस समय अमेरिका के पास सैटेलाइट-आधारित GPS तकनीक थी। अमेरिकी सेना इसका इस्तेमाल करती थी। भारत बम और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी मुफ्त में नहीं, बल्कि खरीदकर हासिल करना चाहता था। इसके लिए तब के रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस और विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने अमेरिकी विदेश विभाग के उपमंत्री स्ट्रोब टाल्बोट और कई अमेरिकी डिफेंस ऑफिसर्स से बात की। 'फ्रॉम सरप्राइज टू रिकनिंग रिपोर्ट' के मुताबिक, अमेरिका ने भारत की मांगों को सख्ती से ठुकरा दिया। अमेरिका ने कहा कि वह युद्ध तो रोकना चाहता है, लेकिन ग्लेन संशोधन के नियम के तहत वह भारत को कोई हथियार, बम या सैन्य तकनीक नहीं दे सकता। दरअसल, 1994 में परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए अमेरिका में ग्लेन संशोधन नाम का कानून बना था। 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में न्यूक्लियर टेस्ट किए और 13 मई 1998 को बिल क्लिंटन ने ग्लेन संशोधन के तहत भारत पर पाबंदियां लगा दीं। भारत को सैन्य हथियारों, उपकरणों की बिक्री और तकनीकी सहायता देने पर रोक लगाई गई। गाइडेड बम और ड्रोन्स की सप्लाई पर भी बैन लगा दिया गया। इस बैन के बाद एक ही साल के अंदर भारत को हथियारों की जरूरत आ पड़ी।

लोकसभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 17 सांसद सम्मानित

-सुप्रिया सुले और निशिकांत दुबे को मिला संसद रत्न अवॉर्ड

नई दिल्ली । भारत के लोकतंत्र में संसद की भूमिका सबसे अहम होती है और इसमें जनता के प्रतिनिधियों का प्रदर्शन संसद की गुणवत्ता को दर्शाता है। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए संसद के उत्कृष्ट कार्य करने वाले सांसदों को हर साल "संसद रत्न अवॉर्ड" से नवाज़ा जाता है। हाल ही में आयोजित एक समारोह में 17 सांसदों को उनके उत्कृष्ट संसदीय प्रदर्शन के लिए 'संसद रत्न अवॉर्ड 2024' से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त 4 सांसदों को 'स्पेशल जूरी अवॉर्ड' से भी नवाज़ा गया।लोकसभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। इनमें NCP शरद गुट की सुप्रिया सुले, BJP के रवि किशन और निशिकांत दुबे और शिवसेना UBT के अरविंद सावंत का नाम शामिल है। संसद रत्न बनने वाले सांसदों में सबसे ज्यादा 7 सांसद महाराष्ट्र से हैं। इनके अलावा 4 स्पेशल जूरी अवॉर्ड भी शामिल हैं। इनमें BJP के भर्तृहरि महताब, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के एनके प्रेमचंद्रन, NCP शरद गुट की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। इन सभी ने 16वीं लोकसभा के बाद से लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा है।

कौन हैं सम्मानित सांसद

इस वर्ष संसद रत्न सम्मान प्राप्त करने वालों में भाजपा के वरिष्ठ सांसद डॉ. निशिकांत दुबे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता सुप्रिया सुले के नाम प्रमुख रहे। दोनों ही सांसदों ने अपने सत्र में संसदीय बहस, प्रश्नकाल में भागीदारी और विधायी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अलावा सम्मान पाने वाले अन्य सांसदों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, बीजू जनता दल, वाईएसआर कांग्रेस और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हैं। सभी का चयन निष्पक्ष आंकड़ों और विशेषज्ञों की राय के आधार पर किया गया है।

सम्मान के पीछे की प्रक्रिया

संसद रत्न अवॉर्ड की शुरुआत 2010 में प्रतिष्ठित संसदवेत्ता पी. मुरलीधरन ने की थी। यह पुरस्कार प्रख्यात पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की प्रेरणा से शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य संसद में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सांसदों की पहचान करना और उन्हें प्रोत्साहित करना है ताकि वे जनहित में और बेहतर योगदान दे सकें। यह अवॉर्ड लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के सांसदों को उनके बीते सत्र के दौरान बहस में भागीदारी, प्रश्न पूछने, बिल पेश करने, और स्थायी समितियों में सक्रियता के आधार पर दिया जाता है। इसके लिए संसदीय डेटा, पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च, लोकसभा व राज्यसभा वेबसाइट और विशेषज्ञ जूरी पैनल की रिपोर्ट का उपयोग किया जाता है।

स्पेशल जूरी अवॉर्ड के विजेता

इस वर्ष 4 सांसदों को स्पेशल जूरी अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया, जिनका प्रदर्शन संसद के दायरे से परे जाकर समाज के व्यापक हित में रहा है। इन सांसदों ने विशेष मुद्दों को संसद में उठाया, सामाजिक अभियानों की अगुवाई की और नागरिकों से संवाद का नया उदाहरण पेश किया।

ट्रम्प का हमला: हमास ने तोड़ी सीजफायर डील

-अब खत्म करने का वक्त आ गया – डोनाल्ड ट्रम्प

वॉशिंगटन/गाजा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल-हमास युद्ध पर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि गाजा में चल रहे संघर्ष का अंत तभी हो सकता है जब हमास का पूरी तरह से सफाया हो जाए। उन्होंने यह भी दावा किया कि हाल ही में प्रस्तावित संघर्षविराम (सीजफायर) डील को हमास ने ही नाकाम किया और अब वक्त आ गया है कि इस "आतंकी संगठन" का अंत कर दिया जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा में सीजफायर डील पर बातचीत टूटने के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने आगे कहा, मुझे लगता है कि हमास मरना चाहता है, और ये बहुत ही बुरी स्थिति है। अब वक्त आ गया है कि ये काम पूरा किया जाए। इससे कुछ हफ्ते पहले ट्रम्प ने कहा था कि गाजा में जल्द सीजफायर और बंधकों की रिहाई के लिए समझौता जल्द हो सकता है। इस हफ्ते ट्रम्प प्रशासन ने दोहा में चल रही बातचीत से अपने वार्ताकारों को वापस बुला लिया था।

नेतन्याहू बोले- हमास बंधकों की रिहाई में सबसे बड़ी रुकावट

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि इजराइली बंधकों की रिहाई में हमास सबसे बड़ी रुकावट है। यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि इजराइल और अमेरिका अब मिलकर इस संकट से निपटने के लिए रास्ता खोज रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा, हम अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि बंधकों को वापस लाया जा सके। हमास के आतंक के शासन को खत्म किया जा सके और इजराइल व पूरे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित हो सके।

फिलिस्तीन को आजाद देश की मान्यता देगा फ्रांस

फ्रांस जल्द ही फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान इस मान्यता को औपचारिक रूप से घोषित करेंगे। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, मिडिल ईस्ट में स्थायी शांति की दिशा में फ्रांस की प्रतिबद्धता के तहत मैंने यह फैसला लिया है। शांति संभव है। आज सबसे जरूरी है कि गाजा में जंग रुके और नागरिकों की जान बचे। फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने फ्रांस के फैसले पर खुशी जताई हैं, वहीं इजराइल ने इसका विरोध किया है।

इजराइल बोला- आतंकवाद को इनाम दे रहे

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस फैसले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, यह फैसला आतंकवाद को इनाम देने जैसा है और यह गाजा जैसे एक और ईरानी समर्थित प्रॉक्सी को जन्म देगा। ऐसी स्थिति में एक फिलिस्तीनी राष्ट्र, इजराइल के साथ शांति से नहीं, बल्कि उसे मिटाने के लिए इस्तेमाल होगा। फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने फ्रांस के इस कदम का स्वागत किया है। राष्ट्रपति महमूद अब्बास को गुरुवार को औपचारिक पत्र सौंपा गया। PLO के उपाध्यक्ष हुसैन अल-शीख ने कहा, हम मैक्रों के इस निर्णय की सराहना करते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून और फिलिस्तीनी जनता के अधिकार के प्रति फ्रांस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अब तक 140 से ज्यादा देशों ने दी है मान्यता

फ्रांस फिलिस्तीन को आधिकारिक मान्यता देने वाला सबसे बड़ा पश्चिमी देश है। अब तक 140 से अधिक देश फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दे चुके हैं। इनमें कई यूरोपीय देश भी शामिल हैं। फिलिस्तीनी लोग एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं। इसमें वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी का क्षेत्र शामिल है। इन पर इजराइल ने 1967 की मिडिल ईस्ट वॉर के दौरान कब्जा कर लिया था।

ब्रिटेन और जर्मनी के साथ आपात बैठक करेगा फ्रांस

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शुक्रवार को ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के साथ गाजा के हालात, भूख से जूझ रहे लोगों तक मदद पहुंचाने और युद्ध को रोकने पर आपात बैठक वाले हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, राज्य का दर्जा फिलिस्तीनी जनता का जन्मसिद्ध अधिकार है। संघर्षविराम हमें एक फिलिस्तीनी राष्ट्र की मान्यता और दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में ले जाएगा, जो इजराइल और फिलिस्तीन दोनों के लिए शांति और सुरक्षा की गारंटी है। फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी यहूदी और मुस्लिम आबादी रहती है। मिडिल-ईस्ट में होने वाला तनाव का असर फ्रांस में भी दिखाई देता है। मैक्रों ने 7 अक्टूबर को हमास के इजराइल पर हमले के बाद इजराइल के समर्थन में बयान दिया था। लेकिन अब गाजा में इजराइल की कार्रवाई को लेकर वे खुले तौर पर नाराजगी जता रहे हैं।

भारी बारिश से तबाही: एमपी-यूपी हाईवे बंद, हिमाचल में 700 से ज़्यादा मकान ढहे

-13 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में शनिवार को चेक डैम में डूबने से चार युवकों की मौत हो गई। सभी दलाईकला गांव के रहने वाले थे और डैम में नहाने आए थे। इनमें दो युवक बेस्ट फ्रेंड थे, जबकि दो आपस में रिश्तेदार थे। मध्य प्रदेश में लगातार भारी बारिश हो रही है। इससे नदी-तालाब भर गए हैं। शनिवार को नर्मदापुरम में तवा डैम और बैतूल में सतपुड़ा डैम के 7-7 गेट खोले गए हैं। इंदौर में भारी बारिश से सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया है। उज्जैन में महाकाल लोक के प्रवेश द्वारा के पास नाले का पानी जमा हो गया है। बारिश के कारण मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाला हाईवे बंद है, इससे वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। यूपी के लखनऊ में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चली। खराब मौसम के कारण जयपुर से आ रही फ्लाइट आगरा से वापस लौट गई। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण शुक्रवार शाम तक 221 सड़कें, 36 बिजली के ट्रांसफॉर्मर और 152 जलापूर्ति योजनाएं बंद थीं। हिमाचल में इस मानसून सीजन 24 जुलाई तक बादल फटने की 25, लैंडस्लाइड की 30 और अचानक बाढ़ की 42 घटनाएं हुई हैं। इससे 414 मकान और 297 मकान जमींदोज हो गए। राज्य में अब तक 153 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 1436 करोड़ रुपए की सरकारी व निजी संपत्ति नष्ट हो चुकी हैं। मौसम विभाग ने शनिवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गोवा में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल प्रदेश: तबाही के निशान

हिमाचल प्रदेश में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। बीते दो हफ्तों में भारी बारिश के चलते राज्य के कई ज़िलों में भूस्खलन, बादल फटने और नदी-नालों के उफान के कारण 700 से ज़्यादा मकान, दुकानें और ढांचे पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं। अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हैं। राजधानी शिमला, मंडी, किन्नौर और कुल्लू ज़िले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। राज्य सरकार ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं। शिमला के पास कोटखाई इलाके में भूस्खलन से कई घर जमींदोज हो गए। कुल्लू में पार्वती नदी उफान पर है, जिससे कई गांव जलमग्न हो गए हैं। पुल और सड़कें बह गईं हैं, जिससे लोगों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है।

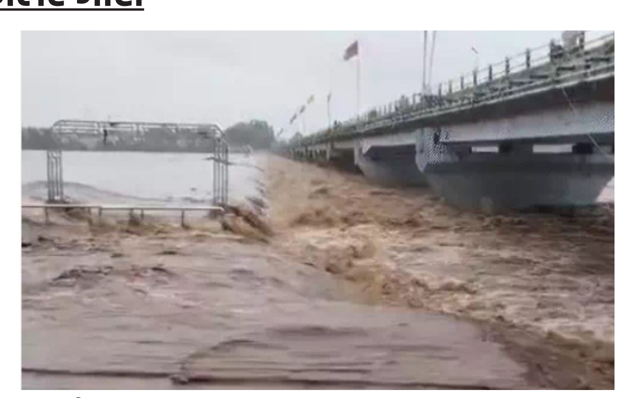

उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश: हाईवे पर आफत

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी बारिश ने कहर ढाया है। एमपी-यूपी को जोड़ने वाला नेशनल हाईवे-44 और हाईवे-27 के कई हिस्से जलभराव और क्षतिग्रस्त मार्ग के चलते बंद कर दिए गए हैं। खासतौर पर सतना, रीवा, चित्रकूट और बांदा क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। ग्रामीण इलाकों में फसलें जलमग्न हो गई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

उत्तराखंड: पहाड़ों से मलबा गिरने का खतरा

उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में भी भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी दी गई है। गढ़वाल मंडल के चमोली, रुद्रप्रयाग और पौड़ी ज़िलों में NH-58 और NH-109 को एहतियातन बंद कर दिया गया है। बद्रीनाथ और केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को फिलहाल यात्रा रोकने की सलाह दी गई है।

बिहार और पूर्वी भारत: जलभराव और बाढ़ की चेतावनी

बिहार में गंगा, कोसी और गंडक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और दरभंगा जिलों में जलभराव की स्थिति बन गई है। कई तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। प्रशासन ने राहत शिविरों की व्यवस्था शुरू कर दी है और नावों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पूर्वोत्तर: असम-मेघालय में बाढ़ की मार

असम के बाढ़ प्रभावित जिलों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। इसकी सहायक नदियों के उफान से लाखों लोग प्रभावित हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क के कुछ हिस्से पानी में डूब गए हैं और वन्य जीवों के लिए खतरा पैदा हो गया है। एनडीआरएफ और सेना की टीमें राहत कार्यों में जुटी हैं। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाले हाईवे बंद हो गए हैं, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ है। इंदौर, उज्जैन, रीवा और सतना में भारी जलभराव देखा गया, वहीं तवा और सतपुड़ा डैम के गेट खोलने पड़े। झारखंड में चेक डैम में डूबने से 4 युवकों की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश सबसे ज़्यादा प्रभावित है, जहां अब तक 700 से ज़्यादा मकान और ढांचे तबाह हो चुके हैं। 153 लोगों की जान जा चुकी है और 1400 करोड़ से अधिक की संपत्ति नष्ट हो गई है। शिमला, कुल्लू, मंडी और किन्नौर में भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

गूगल मैप की गलती से बड़ा हादसा: नवी मुंबई में ऑडी कार खाड़ी में गिरी

-महिला ड्राइवर को समय रहते बचाया गया

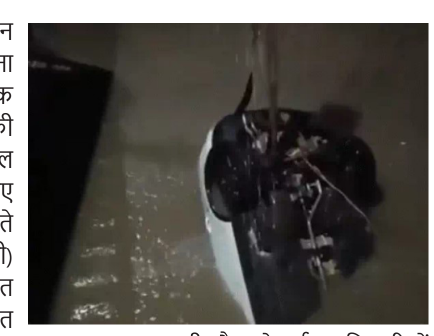

मुंबई। एक हैरान कर देने वाली घटना में नवी मुंबई में एक महिला ड्राइवर की ऑडी कार गूगल मैप द्वारा दिखाए गए गलत रास्ते के चलते खाड़ी (वाटरबॉडी) में गिर गई। गनीमत रही कि वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।बेलापुर में गूगल मैप ने महिला को पुल के नीचे का रास्ता बताया। महिला ने मैप देखते हुए पुल के ऊपर जाने की बजाय नीचे का रास्ता पकड़ लिया। नतीजतन, उसकी कार सीधे ध्रुवतारा जेट्टी से खाड़ी में गिर गई। समुद्री सुरक्षा पुलिस ने कार को खाड़ी में गिरते हुए देख लिया। वे तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि महिला पानी में बह रही थी। इसके बाद रेस्क्यू बोट और गश्ती टीम की मदद से महिला को बचाया गया।

गूगल मैप के कारण पहले भी कई हादसे हुए-

1. 9 जून, 2025: यूपी के महाराजगंज में फ्लाईओवर से लटक गई कार उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में गूगल मैप के बताए रास्ते पर आगे बढ़ने के कारण एक कार अधूरे फ्लाईओवर से नीचे लटक गई थी। इस हादसे में कार में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। हादसा महाराजगंज जिले के गोरखपुर-सोनौली नेशनल हाईवे स्थित भैया फरेंदा में निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर हुआ। फ्लाईओवर का काम अधूरा था, लेकिन गूगल मैप में पूरा रास्ता दिख रहा था।

2. 4 मार्च, 2025: ग्रेटर नोएडा में 30 फीट गहरे नाले में कार गिरी, स्टेशन मास्टर की मौत

यूपी के ग्रेटर नोएडा में गूगल मैप के गलत नेविगेशन डायरेक्शन के कारण एक 31 साल के स्टेशन मास्टर भरत सिंह कार सहित 30 फीट गहरे नाले में गिर गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई। अधिकारियों को कार को नाले से निकालने के लिए क्रेन का इस्तेमाल करना पड़ा था। घटना के वक्त एक डिलीवरी बॉय घटनास्थल पर मौजूद था, जिसने पुलिस को जानकारी दी थी।

3. 25 नवंबर 2024: गूगल मैप अधूरे पुल पर ले गया, कार नीचे गिरने से 3 की मौत

यूपी के बरेली में गूगल मैप की वजह से एक कार आधे-अधूरे पुल से नीचे गिर गई थी। हादसे में कार में सवार 2 भाइयों समेत 3 युवकों की मौत हो गई थी। तीनों गूगल मैप के सहारे कार से बरेली आ रहे थे। लोकेशन के हिसाब से चल रहे युवक पुल पर पहुंच गए। कोहरे के कारण आगे दिखाई नहीं दिया और कार रामगंगा नदी में गिर गई।

गूगल मैप पर उठे सवाल

इस हादसे के बाद गूगल मैप्स की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह रास्ता वर्षों पहले बंद कर दिया गया था लेकिन अभी भी गूगल मैप्स पर वह मार्ग 'एक्टिव रूट' की तरह दिख रहा है। नवी मुंबई ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम ने गूगल से संपर्क कर इस रूट को अपडेट करने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। यह पहली बार नहीं है जब गूगल मैप की गलती से हादसा हुआ हो। मार्च 2025 में ग्रेटर नोएडा में एक स्टेशन मास्टर की कार 30 फीट गहरे नाले में गिरने से मौत हो गई थी। नवंबर 2024 में बरेली में तीन युवकों की जान चली गई थी जब उनकी कार गूगल मैप के चलते अधूरे पुल से नदी में गिर गई थी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,